RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 209 , शुक्रवार, 11 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

लगातार 31वीं बार डॉ. अजय कुमार वर्मा बने राजा बाजार दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष 03

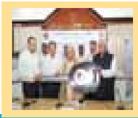
सीएसआर फंड से गया को स्वास्थ्य, पेयजल एवं शव परिवहन की सुविधाएं मिलीं : डॉ. प्रेम ... 04

लव स्टोरिज 3 का ट्रेलर हुआ जारी इश्क-तड़प और अनकही ख्वाहिशों... 07

पटना यूनिवर्सिटी में एआईएसएफ का हंगामा, विश्वविद्यालय बंद कराया

जेन जेड ने प्रधान का इस्तीफा लिया, अब वीसी पद छोड़े, 4 दिन से भूख हड़ताल पर छात्र

पटना (एजेंसी)। पटना यूनिवर्सिटी में छात्रों ने गुरुवार को विश्वविद्यालय बंद कराने का ऐलान किया। एआईएसएफ के छात्र यूनिवर्सिटी के कार्यालयों में काम बंद कराने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दफ्तर की लाइटें बंद कर दीं और अकादमिक काउंसिल में ताला लगा दिया।

एलएलबी प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक, पीजी में फीस में व्यापक बढ़ोतरी और अब तक एमएफए (मास्टर्स आफ फाइन आर्ट्स) की पढ़ाई शुरू नहीं होने समेत अन्य मांगों को लेकर एआईएसएफ के छात्र पिछले 4 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

बुधवार को भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों को कुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह ने वार्ता के लिए बुलाया था। एआईएसएफ का 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल कुलपति कार्यालय पहुंचा। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बातचीत हुई, लेकिन वार्ता बेनतीजा रही।

इसके बाद छात्रों ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी बंद कराने का फैसला लिया। छात्र उर्दू विभाग और वाणिज्य महाविद्यालय को भी बंद कराने पहुंचे। छात्रों ने पहले क्क के दफ्तर बंद करवाए, इसके बाद अब क्लासरूम भी खाली करवा रहे हैं। एआईएसएफ के छात्र देव पाठक ने कहा, जब Gen-Z आंदोलन पर उतरे तो धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। ऐसे में पटना यूनिवर्सिटी के कुलपति को भी इस्तीफा देना चाहिए।

छात्रों ने कुलपति का घेराव भी किया था- भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों की तबीयत बिगड़ रही है। हालांकि, चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी जांच कर रही है।

भाजपा ने मोर्चों के प्रभारी बदले

बैजयंत पांडा को ओबीसी और सतीश पूनिया को एसटी मोर्चे की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को अपने 7 प्रमुख मोर्चों के प्रभारियों की घोषणा की। पार्टी ने युवा, महिला, एससी,ओबीसी किसान, एसटी और अल्पसंख्यक मोर्चों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को सौंपी है। सात में से सबसे ज्यादा 2 प्रभारी मध्य प्रदेश से हैं। पार्टी के मुताबिक, हरीश द्विवेदी को युवा मोर्चा और डी. पुरंदेश्वरी को महिला मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सतीश पूनिया को एसटी मोर्चे की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा ने संजय भाटिया को स्ट मोर्चा और वैजयंत पांडा को ओबीसी मोर्चे का प्रभारी नियुक्त किया है।

मोर्चा प्रभारियों में राजस्थान-यूपी से एक-एक

- हरीश द्विवेदी
- डी. पुरंदेश्वरी
- सतीश पूनिया
- संजय भाटिया
- बैजयंत पांडा
- लाल सिंह आर्या
- गजेंद्र सिंह पटेल

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी का ऐलान

यूपी की एक करोड़ दीदियों को मिलेगा एक लाख तक का ब्याज मुक्त लोन

लखनऊ (एजेंसी)। विधान सभा चुनाव से पहले महिलाओं को लुभाने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर रही है। उत्तर प्रदेश महिला उद्यमी क्रेडिट योजना में महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं एक करोड़ दीदियों को एक लाख रुपये तक का क्रेडिट (ऋण) लाभ

दिया जाएगा। हालांकि योजना के पहले चरण में 20,000 रुपये की पहली किश्त मिलेगी। इसके समय से भुगतान पर दो चरणों में 80 हजार रुपये का और क्रेडिट दिया जाएगा। सरकार, योजना को विधान सभा चुनाव से पहले जोर-शोर से लांच करने की तैयारी कर रही है।

रेलवे टेंडर घोटाला

लालू यादव, राबड़ी और तेजस्वी समेत 9 के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने रेलवे टेंडर घोटाला के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत नौ आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने आरोप तय करने का आदेश दिया। कोर्ट ने लालू यादव के दामाद राहुल यादव समेत सात लोगों को बरी करने का भी आदेश दिया।

पैकेज्ड फूड के फ्रंट पर चेतावनी लेवल को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

कहा- बच्चों की सेहत की चिंता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि उसे लोगों, खासकर बढ़ते बच्चों की सेहत की चिंता है। कोर्ट चाहता है कि फूड सेफ्टी से जुड़े सभी लोग ज़्यादा नमक, चीनी और फैट वाले पैकेज्ड प्रोडक्ट्स के पैकेट के सामने चेतावनी वाले लेबल लगाने के मुद्दे पर 'राष्ट्रीय हित' में विचार करें। जस्टिस जेबी पारदीवाला और के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि वह इस 'गंभीर मामले' पर स्टेकहोल्डर्स से कुछ जानकारी मांगने के लिए एक विस्तृत आदेश जारी करेगी।बेंच ने कहा, हमें सिर्फ़ लोगों, खासकर बढ़ते बच्चों की सेहत की चिंता है। हम चाहते हैं कि सभी संबंधित लोग राष्ट्रीय हित में इस मामले पर विचार करें। बेंच ने यह भी संकेत दिया कि आदेश एक-दो दिन में अपलोड कर दिया जाएगा।

सीजेपी प्रदर्शन में बच्चे पर हमले के मामले में कहा- 'तुरंत कार्रवाई करें, कोई उसे डरा नहीं सकता'- सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उन आरोपों को गंभीरता से लिया है जिसमें कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध-प्रदर्शन से जुड़ी एक 14 साल की लड़की को धमकाया गया और उसके घर पर पत्थर फेंके गए। इस संबंध में कोर्ट ने तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया और मामले की गंभीरता पर जोर दिया। इस पर पीठ ने साफ किया कि नाबालिग को डराने-धमकाने के आरोप एक गंभीर मुद्दा है और किसी भी व्यक्ति को पीड़ित या उसके परिवार को आपराधिक केस चलाने के लिए डराने-धमकाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

सत्य निकेतन हादसा केस हम हाई कोर्ट से केस ट्रांसफर नहीं करेंगे - सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह दिल्ली हाई कोर्ट में चल रहे सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले को अपने पास ट्रांसफर नहीं कर रहा है क्योंकि कार्रवाई शुरू हो गई है।

हाईकोर्ट ने सीजेपी नेताओं से कहा- बीजेपी नेता गौरव भाटिया के खिलाफ पोस्ट हटाएं- दिल्ली हाईकोर्ट ने काकरोच जनता पार्टी और उसके नेता अभिजीत दीपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका को बीजेपी नेता और वकील गौरव भाटिया के खिलाफ अपलोड किए गए पोस्ट को हटाने को कहा है।

जयपुर में रनवे छूते ही फिर आसमान में उड़ा विमान

हवा में 20 मिनट तक अटकी रहीं यात्रियों की सांसे

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार दोपहर इंडिगो की एक फ्लाइट की लैंडिंग के दौरान अचानक बड़ा घटनाक्रम सामने आया। उदयपुर से जयपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई-7516 ने जैसे

ही जयपुर रनवे पर टचडाउन किया, पायलट ने अचानक लैंडिंग एबॉर्ट (निरस्त) कर दी और विमान को तुरंत दोबारा हवा में उठा लिया। टचडाउन के ठीक बाद अचानक विमान के वापस टेकऑफ करने से उसमें सवार यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सांसें थम गईं। घटना दोपहर लगभग 12.42 बजे की है, जब फ्लाइट अपने निर्धारित समय (दोपहर 12.50 बजे) से कुछ मिनट पहले लैंडिंग के लिए अप्रोच कर रही थी।

- **जयपुर एयरपोर्ट पर मच गया था हड़कंप -** अचानक हुए इस घटनाक्रम के बाद जयपुर एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया और एयर ट्रैफिक कंट्रोल समेत सभी संबंधित सुरक्षा टीमें सतर्क हो गई। स्थिति पर लगातार नजर रखी जाने लगी। विमान ने जयपुर के आसमान में लगभग 20 मिनट तक एक अतिरिक्त चक्कर लगाया।

भारत सुरक्षित और सतत अंतरिक्ष क्षेत्र का समर्थन करता है : पीएम मोदी

2035 तक अपना स्पेस स्टेशन होगा और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार, 10 सितंबर को पेरिस में इंटरनेशनल स्पेस समिट को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित सुरक्षित और टिकाऊ स्पेस डोमेन का समर्थन करता है। स्पेस की संभावनाएं असीमित हैं और हमारी जिम्मेदारी सामूहिक है।

स्पेस के क्षेत्र में कीर्तिमान रच रहा भारत- प्रधानमंत्री मोदी ने स्पेस में भारत की उपलब्धियों के बारे में बात करते हुए कहा, चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बना दिया है। आदित्य रु सूरज के रहस्यों को उजागर कर रहा है।

चीनी राष्ट्रपति का गलवान झड़प के बाद पहला भारत दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। अगर यह बैठक होती है तो जून 2020 में हुई गलवान हिंसा के बाद दोनों नेताओं की भारत में पहली द्विपक्षीय बातचीत होगी। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। चीन ने बाद में अपने 4 सैनिकों की मौत की बात मानी थी।

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होना है। इसमें चीन-रूस समेत 11 देश शामिल होंगे।

अमेरिकी रिपोर्ट में भारत के परमाणु भंडार पर बड़ा खुलासा, ताकत जानकर दुनिया के कई देश अवाक

- **भारत ने 140 से लेकर 225 परमाणु आयुध तक के लिए पर्याप्त सैन्य प्लूटोनियम का उत्पादन किया**

नईदिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के एक गैर लाभकारी विचार समूह के अनुसार, भारत के परमाणु जखीरे में 190 आयुध होने का अनुमान है, जिनमें वर्तमान में निर्मित की जा रही नयी मिसाइलों के लिए 30 अतिरिक्त परमाणु आयुध भी शामिल हैं। 'फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स' (एफएएस) ने ये अनुमान खुले स्रोत, सरकारी डेटा और वाणिज्यिक उपग्रहों से ली गई तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर लगाए हैं। एफएएस परमाणु सूचना परियोजना के निदेशक हैंस क्रिस्टेंसन के लेख 'इंडियाज न्यूक्लियर वेपन्स-2026' के अनुसार, परमाणु आयुध से मिसाइल को लैस करने की भारत की क्षमता और रणनीति के बारे में उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी के आधार पर, हमारा अनुमान है कि भारत ने लगभग 190 परमाणु आयुध बनाए होंगे।

इसमें कहा गया है कि भारत के परमाणु आयुध भंडार में लॉन्चर के लिए 160 से अधिक आयुध और निर्मित हो रही नयी मिसाइलों के लिए अतिरिक्त आयुध शामिल हैं। बुधवार को प्रकाशित एक आलेख में बताया गया है कि भारत अपने परमाणु आयुध के जखीरे को आधुनिक बनाने का काम जारी रखे हुए है।

बिहार के 14 जिलों में बाढ़, 5 हजार स्कूल बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में पटना, मुंगेर और भागलपुर समेत 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। पांच हजार से ज्यादा स्कूल बाढ़ में डूबने के चलते बंद किए गए हैं।

राज्य में गंगा, कोसी और गंडक जैसी नदियां उफान पर हैं। इनके किनारे के 500 से ज्यादा श्मशान घाट डूबे हैं, जिसके चलते अंतिम संस्कार करने में परेशानी हो रही है।यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। यहां 26 जिलों में बाढ़ से 4 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बरेली में प्राचीन मंदिर रामगंगा नदी में समा गया। बाराबंकी में सरयू के पानी में करीब 12 मकान डूब गए।

इधर, एमपी और राजस्थान में फिलहाल बारिश का दौर थमा हुआ है। एमपी में अगले 3 दिन तेज बारिश की संभावना नहीं है। राजस्थान में 11 सितंबर से बारिश शुरू होने का अनुमान है। बुधवार को यहां 10 शहरों में तापमान 35 डिग्री से ऊपर रहा।

यूपी के बाराबंकी में घर बहे, बरेली में मंदिर डूबा, मप्र-राजस्थान में बारिश थमी

बिहार में बाढ़ से 43 लाख प्रभावित

बिहार में पिछले 5 दिनों से हो रही तेज बारिश के बाद 14 जिलों में करीब 43 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, 14 जिलों के 84 प्रखंडों की 514 ग्राम पंचायतों में बाढ़ का असर है। उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में आज कहीं-कहीं भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं हरिद्वार, पौड़ी और उत्तरकाशी में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-बौछारें पड़ सकती हैं। राज्य के बाकी हिस्सों में भी कई जगह हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली और तेज बारिश हो सकती है।

एमपी: मानसून कमजोर, तेज बारिश का दौर थमा

मध्य प्रदेश में फिलहाल बारिश का कोई सक्रिय सिस्टम नहीं है, जिसके चलते तेज बारिश का दौर थम गया है।

राजस्थानः आज से फिर बारिश का दौर, 10 शहरों में पारा 35 डिग्री पार- मौसम विभाग ने राजस्थान में 11 सितंबर से बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताई है। शुक्रवार को 5 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट है। इसके बाद 12 और 13 सितंबर को भरतपुर, जयपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर संभाग के इलाकों में भी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

मप्र सागर में 29 मौतों के बाद बुलडोजर एक्शन

जहरीली शराब कांड के मुख्य आरोपितों के घर पहुंचा प्रशासन

सागर (एजेंसी)। सागर जिले के बंडा में जहरीली शराब पीने से 29 लोगों की मौत के बाद सरकार और प्रशासन ने अब आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। अवैध शराब के इस जानलेवा कारोबार से जुड़े मुख्य आरोपितों के घरों तक गुरुवार को प्रशासन का बुलडोजर पहुंच गया। राजस्व और पुलिस बल की भारी मौजूदगी के बीच प्रशासनिक टीम आबकारी ठेकेदार एवं मुख्य आरोपित मनीष लोधी उर्फ यशवंत सिंह ठाकुर के बंडा स्थित घर पहुंची। वहीं ततरवारा सरपंच चंद्रभान उर्फ चंदू सिंह राजपूत के मकान पर भी कार्रवाई के लिए प्रशासनिक अमला पहुंचा।

संक्षिप्त समाचार

पप्पू यादव ने बाढ़ पीड़ितों को बांटे 2 लाख रुपए, बोले- एक सप्ताह से बाढ़ में फंसे लोग, न भोजन न इलाज

हाजीपुर। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव गुरुवार को वैशाली के बिदुपुर पहुंचे। उन्होंने राघोपुर विधानसभा क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित बाजितपुर सैदात पंचायत, नावानगर घाट और अमेर घाट का दौरा किया। इस दौरान पप्पू यादव ने बाढ़ पीड़ितों को करीब 2 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी। साथ ही जरूरत का सामान और महिलाओं को सेनेटरी पैड भी बांटे। बाढ़ पीड़ितों से बात करने पर लोगों ने भोजन, पीने के पानी, इलाज और पशुओं के चारे की व्यवस्था न होने की शिकायत की। इस पर पप्पू यादव ने प्रशासन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि करीब एक सप्ताह से लोग बाढ़ में फंसे हैं। ऐसे में लोग कैसे अपनी जिंदगी गुजार रहे हैं। न तो उन्हें पर्याप्त भोजन मिल रहा है और न ही इलाज की कोई व्यवस्था है। नावानगर घाट पर पप्पू यादव ने कब्रिस्तान में दो शवों का अंतिम संस्कार होते देखा। बाढ़ के कारण वहां अंतिम संस्कार करना मुश्किल हो रहा था। उन्होंने इस स्थिति को संकट के समय आपसी भाईचारे की मिसाल बताया। इसी दौरान उन्होंने भूख से कमजोर एक गर्भवती गाय को देखा। पप्पू यादव ने उसके मालिक को तुरंत आर्थिक मदद दी और चारे का इंतजाम करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि बाढ़ में इंसानों के साथ पशुओं के लिए भी चारा और सुरक्षित जगह का इंतजाम होना चाहिए। अमेर घाट पर उन्होंने स्थानीय लोगों द्वारा चलाए जा रहे सामुदायिक किचन का भी जायजा लिया। यहां बाढ़ पीड़ितों के लिए खाना बनाया जा रहा था। पप्पू यादव ने निजी स्तर पर चल रही इस व्यवस्था की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग बेहतर भोजन का इंतजाम कर सकते हैं, तो सरकारी व्यवस्था जमीन पर क्यों नहीं दिख रही है। पप्पू यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से कहा कि जितनी मदद उनसे लेनी है, वे ले लें। वे मदद के लिए तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह राजनीति और बयानबाजी का समय नहीं है, बल्कि लोगों की जिंदगी बचाने का समय है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि भोजन, इलाज, पानी, पशु चारा, महिलाओं की जरूरतों और नाव-बचाव व्यवस्था को तुरंत ठीक किया जाए।

1 दिन में 2,436 बेटिकट यात्रियों पर कार्रवाई, रेलवे ने वसूले 22.08 लाख, आगे भी जारी रहेगा अभियान

हाजीपुर। सोनपुर मंडल में रेलवे ने बेटिकट और अनियमित यात्रियों के खिलाफ विशेष टिकट जांच अभियान चलाकर एक दिन में 2,436 यात्रियों पर कार्रवाई की। इन मामलों से रेलवे को 22,08,825 का राजस्व प्राप्त हुआ। अभियान का उद्देश्य रेलवे राजस्व की सुरक्षा के साथ यात्रियों को वैध टिकट के साथ यात्रा के लिए जागरूक करना है। सितंबर में चलाए गए विशेष अभियान के तहत सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, मानसी, खगड़िया और नवगछिया समेत विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में टिकटों की जांच की गई। मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान बिना टिकट, अनियमित टिकट अथवा उचित अनुमति के बिना यात्रा करने वाले यात्रियों को पकड़ा गया। टिकट जांच कर्मियों के साथ रेलवे सुरक्षा बल और वाणिज्य विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से जांच अभियान चलाया। रेलवे के अनुसार, सितंबर महीने में 7 सितंबर तक टिकट जांच के 10,380 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। इन मामलों से सोनपुर मंडल को 90,32,135 का राजस्व प्राप्त हुआ है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक सोनपुर मंडल में कुल 3,40,767 मामलों में कार्रवाई की गई है। इन मामलों से रेलवे को 26,39,20,667 का राजस्व मिला है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें और रेलवे के नियमों का पालन करें। बिना टिकट या अनियमित टिकट के साथ यात्रा करने वालों के खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। मंडल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रेलवे राजस्व की सुरक्षा और यात्रियों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए टिकट जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

वैशाली के नए ग्रामीण एसपी ने पदभार संभाला

हाजीपुर। वैशाली के नए ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने बुधवार को अपना पदभार संभाल लिया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपनी प्राथमिकताएं बताई। उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता अपराध नियंत्रण, अनुसंधान में तेजी लाना और लंबित मामलों का जल्द निपटारा करना होगा। इसके साथ ही, कानून-व्यवस्था बनाए रखना और लोगों की शिकायतों को सुनना भी उनकी प्राथमिकता में शामिल है। इस बात की जानकारी वरीय पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने एक प्रेस वार्ता में दी। शुभांक मिश्रा ने बताया कि वैशाली जिले में कुल चार पुलिस अनुमंडल हैं। इनमें से सदर-2, महुआ और महनार अनुमंडल के अपराध से जुड़े सभी मामलों की जिम्मेदारी नए ग्रामीण एसपी के पास रहेगी। इन क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था से जुड़ी किसी भी समस्या पर तुरंत कार्रवाई करने का अधिकार भी उन्हीं का होगा। शुभांक मिश्रा ने यह भी बताया कि भविष्य में ग्रामीण एसपी के अधीन आने वाली अपराध शाखा, हिंदी शाखा, डीआई, स्पेशल ब्रांच और डीआईओ सहित सभी शाखाओं को विकसित किया जाएगा। फिलहाल, उनके रहने और कार्यालय से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं जल्द पूरी की जाएंगी। पदभार संभालने के बाद नए अधिकारी फील्ड में जाकर सभी थानों का दौरा करेंगे और वहां की समस्याओं व महत्वपूर्ण मामलों की समीक्षा करेंगे। शुभांक मिश्रा के अनुसार, नए ग्रामीण एसपी के अधीन लगभग 20 थाने आएंगे। ट्रांसफर-पोस्टिंग के संबंध में उन्होंने कहा कि पहले से जारी पुलिस आदेशों के अनुसार ही व्यवस्था लागू रहेगी। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार, वैशाली जिले के महनार अनुमंडल, महुआ अनुमंडल और लालगंज अंचल क्षेत्र के कुल 20 थाने और ओपी ग्रामीण एसपी के अधीन रहेंगे।

जंक्शन पर यात्रियों को ठगने वाला गिरफ्तार, 500 का नोट चिपका अखबारों का बंडल दिखाकर करता था ठगी

पटना। पटना के पाटलिपुत्र जंक्शन पर रेल यात्रियों से ठगी करने वाले एक युवक को आरपीएफ ने गिरफ्तार किया है। आरोपी यात्रियों को असली नोटों की गड्डी जैसा दिखने वाला बंडल दिखाकर अपने झांसे में लेता था और ठगी करता था। गड्डी अखबारों से बनी है, जिसपर एक 500 का नोट चिपका है। युवक के पास से 2500 रुपए नकद भी बरामद हुए हैं। आरपीएफ की टीम 9 सितंबर की रात स्टेशन पर गश्त कर रही थी। रात करीब साढ़े 11 बजे सर्कुलेटिंग एरिया में शौचालय और एस्केलेटर के बीच एक युवक खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही वह भागने लगा। संदेह होने पर आरपीएफ जवानों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। अखबार से बनाया था बंडल पूछताछ में आरोपी की पहचान दरभंगा निवासी कमरे आलम (19) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके बैग से बंडल मिला। जिसे अखबार को काले टेप से लपेटकर बनाया गया था। बंडल के ऊपर 500 रुपए का एक नोट इस तरह लगाया गया था कि दूर से पूरी 500 रुपए के नोटों की गड्डी दिखाई दे। इसके अलावा उसके पास से 2500 रुपए नगद भी मिले।

पाटलिपुत्र थाना को सौंपाः पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह इसी तरह नोटों का बंडल दिखाकर यात्रियों को अपने झांसे में लेता था और उनके साथ ठगी करता था। आरपीएफ ने आरोपी को जब्त सामान के साथ राजकीय रेल पुलिस, पाटलिपुत्र थाना को सौंप दिया। मामले में कांड संख्या 57/26 दर्ज किया गया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच उप निरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह कर रहे हैं।

बिहार कांग्रेस के 29 नेताओं को कारण बताओ नोटिस

एजेंसी, पटना

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी की अनुशासन समिति ने पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता के आरोप में 29 नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई 8 सितंबर को नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय के समीप प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के विरोध में आयोजित धरना-प्रदर्शन में शामिल होने के मामले में की गई है। बिहार प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि संबंधित नेताओं का धरना-प्रदर्शन में शामिल होना पार्टी की नीति, अनुशासन और निर्देशों का उल्लंघन है। समिति ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए सभी नेताओं से लिखित स्पष्टीकरण मांगा है।

72 घंटे में देना होगा जवाबः नोटिस में संबंधित नेताओं को इसे प्राप्त होने के 72 घंटे के भीतर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी की अनुशासन समिति के समक्ष अपना लिखित जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है। नेताओं से पूछा गया है कि उनके खिलाफ पार्टी के नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। समिति ने यह भी स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा में जवाब नहीं मिलने या स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाए जाने की स्थिति में संबंधित नेताओं के खिलाफ पार्टी नियमों के अनुसार एकतरफा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

पूर्व विधायक समेत कई प्रमुख नेताओं के नामः कारण बताओ नोटिस पाने वाले 29 नेताओं में पूर्व विधायक अनिल सिंह और पूनम देवी के अलावा सिवान के पूर्व जिलाध्यक्ष विधूशेखर पांडेय, पश्चिमी चंपारण के पूर्व जिलाध्यक्ष भारत भूषण दूबे, मधेपुरा के पूर्व जिलाध्यक्ष सत्येंद्र यादव और औरंगाबाद के पूर्व जिलाध्यक्ष मृत्युंजय सिंह समेत अन्य नेता शामिल हैं। 8 सितंबर को इन नेताओं और पार्टी के कुछ अन्य कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया था। अब इसी प्रदर्शन में सक्रिय भागीदारी को आधार बनाकर अनुशासन समिति ने कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की है।

पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप, नेता बोले- गलत हरकत

नेताओं ने भी रखा अपना पक्षः बिहार कांग्रेस में जिन नेताओं को नोटिस भेजा है उन्होंने कहा कि कृष्णा अल्लावरू एवं राजेश राम के कृत्यों की जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। समर्पित कांग्रेसियों का दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन समाप्त हो गया। एआईसीसी के प्रतिनिधि मनीष चतरथ जी ने आकर सभी प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि आपलोगों की बात सुनी जाएगी।

फिर भी कृष्णा अल्लावरू एवं राजेश राम ने 29 नेताओं को नोटिस जारी कर दिया। यह एक घिनौनी हरकत है। हमलोग अपने घर अपने अभिभावकों के समक्ष अपनी मांगों को लेकर गये थे, जो कहीं से भी गलत नहीं है। अगर हमारी शिकायत इन्हीं दोनों नेताओं को विरुद्ध है तो हम कहां जायेगें? आलाकमान के पास ही जायेंगे ना, उनसे समय लेने? दरअसल ये लोग बिहार कांग्रेस को कांग्रेसी मुक्त करने का बयाना ले चुके हैं और वही काम कर रहे हैं । पर ये भूल जाते हैं कि समर्पित कांग्रेसजनों को इसका भय नहीं है।

जमीन कारोबारी पर फायरिंग करने वाला शूटर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

♦ रामकृष्ण नगर में 4 लाख की सुपारी ली थी, अपराधी के पास से हथियार-कारतूस बरामद

पटना के रामकृष्ण नगर में 11 अगस्त को जमीन कारोबारी शुभम राज को गोली मारी गई थी। मामले में एक शूटर को गिरफ्तार किया गया है। शूटर सत्यम कुमार (25) है। पुलिस जांच में पता चला है कि शुभम राज की हत्या के लिए सत्यम ने 4 लाख रुपए सुपारी ली थी। इसके पास से पुलिस ने पिस्टल और 5 कारतूस भी जब्त किया है। पुलिस ने सत्यम को जक्कनपुर स्थित बंगाली टोला से पकड़ा है। घटना रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के ज्योति पथ पर हुई थी। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया था।

बिजनेस पार्टनर पर हत्या का आरोपः घायल शुभम राज को तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद रामकृष्ण नगर थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने विशेष जांच टीम (SIT) बनाई थी। टीम ने अब तक 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

शुभम राज के पिता राजेश राय ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे का जमीन का कारोबार प्रिंस राजपूत और शशि कुमार के साथ चलता था। शशि कुमार ने शुभम राज के कमीशन के काफी पैसे अपने पास रखे हुए थे। जब शुभम ने उससे अपने पैसे मांगे, तो शशि कुमार ने पैसे हड़पने के इरादे से शुभम की हत्या की साजिश रची।

मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी बाकीः पुलिस ने बताया कि मामले में पुलिस पहले तीन अन्य बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी है। जिसमें मुन्ना कुमार, अभय कुमार (23) और राहुल कुमार (24) है। पुलिस का मानना है कि सुपारी देने वाले मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो पाएगा।

बस से टकराई बाइक, 1 घायल थोड़ी देर के लिए सड़क जाम

पुलिसकर्मियों ने जख्मी को अस्पताल पहुंचाया

एजेंसी, पटना

पटना के भिखारी ठाकुर ROB के पास गुरुवार को बस-बाइक के बीच टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। कुछ देर के लिए सड़क पर जाम जैसी स्थिति बन गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस के कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। पुलिसकर्मियों की मदद से गंभीर रूप से घायल बाइक सवार को शास्त्रीनगर इलाके के LNJP अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

घायल की पहचान नहीं हुई फिलहाल घायल बाइक सवार की पहचान नहीं हो पाई है। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए थे। इससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई।

हालांकि, मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने यातायात व्यवस्था को संभालते हुए वाहनों का परिचालन सामान्य बनाए रखा। पुलिस हादसे की जानकारी जुटाने में लगी है। दुर्घटना किस वजह से हुई, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस की ओर से आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पीयू में एआईएसएफ का हंगामा, विश्वविद्यालय बंद कराया, 4 दिन से भूख हड़ताल पर छात्र

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी में छात्रों ने गुरुवार को विश्वविद्यालय बंद कराने का ऐलान किया। AISF के छात्र यूनिवर्सिटी के कार्यालयों में काम बंद कराने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दफ्तर की लाइटें बंद कर दीं और अकादमिक काउंसिल में ताला लगा दिया। LLB प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक, पीजी में फीस में व्यापक बढ़ोतरी और अब तक MFA (Master of Fine Arts) की पढ़ाई शुरू नहीं होने समेत अन्य मांगों को लेकर AISF के छात्र पिछले 4 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

बुधवार को भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों को कुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह ने वार्ता के लिए बुलाया था। AISF का 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल कुलपति कार्यालय पहुंचा। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बातचीत हुई, लेकिन वार्ता बेनतीजा रही। इसके बाद छात्रों ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी बंद कराने का फैसला लिया। छात्र उर्दू विभाग और वाणिज्य महाविद्यालय को भी बंद कराने पहुंचे। छात्रों ने पहले PU के दफ्तर बंद करवाए, इसके बाद अब क्लासरूम भी खाली करवा रहे हैं। AISF के छात्र देव पाठक ने कहा, "जब Gen-Z आंदोलन पर उतरे तो धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। ऐसे में पटना यूनिवर्सिटी के कुलपति को भी इस्तीफा देना चाहिए।"

छात्रों ने कुलपति का घेराव भी किया थाः भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों की तबीयत बिगड़ रही है। हालांकि, चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी जांच कर रही है। बुधवार को छात्रों ने कुलपति का घेराव भी किया था। इसके अलावा, AISF ने विश्वविद्यालय में छात्रों के बीच पहुंचकर भूख हड़ताल के समर्थन की अपील की। कई छात्रों ने आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। इससे पहले भी AISF ने विरोध मार्च निकाला था। AISF की छात्रा सबीना डफली बजाकर विरोध करने पहुंचीं। उन्होंने कहा, "हम लोग विश्वविद्यालय बंद करा रहे हैं। स्टूडेंट्स 4 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। वीसी टालमटोल कर अपनी बात मनवाने की कोशिश कर रहे थे। हमारी जो मांगें हैं, उन्हें स्वीकार नहीं किया गया। इसलिए हम विश्वविद्यालय बंद करा रहे हैं।"

PU के कुलपति को हटाने की मांगः AISF पटना जिला सचिव मीर सैफ अली ने कहा कि संगठन की 10 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू हुई थी। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांगों पर विचार कर शीघ्र समाधान करने की अपील की। साथ ही कहा कि यदि मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। हमारी मांग है कि पटना विश्वविद्यालय के तानाशाह भ्रष्ट कुलपति को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए।

पीएमसीएच सुपर स्पेशियलिटी भवन अधूरा, एजेंसी ब्लैकलिस्ट, 18 महीने में पूरा होना था काम

एजेंसी, पटना

♦ 8 साल बाद भी अधूरा, नई एजेंसी नवंबर तक करेगी पूरा

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के मल्टी सुपर स्पेशियलिटीअस्पताल के भवन निर्माण में देरी पर सीके कंस्ट्रक्शन एजेंसी पर कार्रवाई हुई है। सीपीडब्ल्यूडी ने इस एजेंसी को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। पीएमसीएच की प्रिंसिपल गीता सिन्हा ने बताया कि सीके कंस्ट्रक्शन और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के बीच पिछले महीने बैठक हुई थी। अस्पताल में एचवीएसी सिस्टम और बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) का काम अभी अधूरा है। सुपर स्पेशियलिटीअस्पताल का भवन तय समय पर पूरा नहीं हो पाया।

इसी वजह से सीपीडब्ल्यूडी ने सीके कंस्ट्रक्शन को हटाकर यह काम दूसरी एजेंसी को सौंप दिया है। पुरानी एजेंसी लगातार समय सीमा पार कर रही थी, जिससे प्रोजेक्ट का काम सालों से अटका हुआ था। अब नई एजेंसी को यह काम नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य मिला है।

200 करोड़ रुपये की लागत से 200 बेड का बनेगा अस्पतालः प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत 200 करोड़ रुपये की लागत से 200 बेड का यह मल्टी सुपर स्पेशियलिटीअस्पताल बन रहा है। 8 साल बाद भी यह अधूरा है। जी+7 सुपर स्पेशियलिटीअस्पताल का भवन बाहर से लगभग तैयार दिखता है, लेकिन अंदर की स्थिति अलग है। असल में, इंटरनल फिनिशिंग, एचवीएसी सिस्टम, बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस), मेडिकल गैस पाइपलाइन, बिजली बैकअप और दूसरे तकनीकी काम अभी पूरे नहीं हुए हैं। हालांकि, दावा है कि बाकी फिनिशिंग का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, लगभग 6 करोड़ 42 लाख 48 हजार रुपये की आधुनिक मशीनें खरीदी जा चुकी हैं। ये मशीनें गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होनी हैं, लेकिन अभी तक लगी नहीं हैं। ज्यादातर उपकरण पिछले डेढ़ साल से पैक होकर सुपर स्पेशियलिटीअस्पताल के बंद कमरों में रखे हैं। इन उपकरणों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे गार्ड लगाए गए हैं।

गीता सिन्हा (प्रिंसिपल) ने बताया की मेडिकल उपकरण समय से पहले अस्पताल पहुंच गए थे, लेकिन निर्माण कार्य लंबित रहने की वजह से उनका उपयोग नहीं हो पा रहा। किसी भी उपकरण की एक निश्चित उपयोग अवधि और तकनीकी वैधता होती है। यदि समय पर इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस नहीं हो, तो भारी नुकसान हो सकता है।

सुपर-स्पेशियलिटी भवन का शिलान्यास वर्ष 2019 में हुआ था। उस समय दावा किया गया था कि इसके शुरू होने से बिहार के मरीजों को विश्वस्तरीय इलाज के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। हालांकि, 8 साल बीत जाने के बाद भी यह परियोजना पूरी तरह से शुरू नहीं हो पाई है।

फर्जी पुलिसकर्मी-पदाधिकारी बनकर ठगने वाले जीजा-साले गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में फर्जी पदाधिकारी और पुलिसकर्मी बनकर लोगों को ठगने वाले 2 शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बदमाशों में अजय कुमार शुक्ला और उसका साला राज कुमार है। पुलिस के अनुसार अजय खुद को स्वास्थ्य विभाग का अनुभाग अधिकारी (Section Officer - SO) बताता था। वो लोगों को सचिवालय में नौकरी दिवाने का झांसा देकर पैसे लेता था। उसने अपने साले राज कुमार को फर्जी पुलिस कांस्टेबर बना रखा था। कार्रवाई सचिवालय थाना क्षेत्र से हुई है।

आरोपियों के पास से पुलिस की वर्दी और फर्जी पहचान पत्र भी बरामद किए गए हैं। पुलिस को उनके पास से 3 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, पुलिस की वर्दी, 2 आईकार्ड, 2 प्रशस्ति पत्र और स्टांप मिले हैं। बरामद सामान के आधार पर पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों ने कितने लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर अपना शिकार बनाया है। उनसे पूछताछ की जा रही है और ठगी से जुड़े अन्य लोगों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में पटना की सेंट्रल एसपी ममता कल्याणी की ओर से जल्द पूरे मामले का खुलासा किया जा सकता है। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। सेंट्रल SP ममता कल्याणी ने बताया कि समाज कल्याण विभाग के सहायक प्रशाखा पदाधिकारी राजनाथ सिंह ने पुलिस को सूचना दी कि उनके कैंपस के बरामदे में एक व्यक्ति CDPO बहाली से संबंधित बैनर लगाकर किसी को वीडियो कॉल पर लिया है।

'द वन' में दिखेगी महापर्व छठ की छटा

एजेंसी, पटना

बॉलीवुड फिल्म 'द वन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में बिहार के महापर्व छठ की छटा देखने को मिलेगी। इस फिल्म में छठ पूजा के दृश्य को लेकर काफी समय से चर्चा थी और आज इसका गाना 'छठी मइया सुनीं लीं विनती हमार...' रिलीज हुआ। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म की मूल कहानी भी पटना से करीब 35 किलोमीटर दूर बिहटा स्थित करीब 400 साल पुराने 'वन देवी मंदिर' से जुड़ी लोककथा पर आधारित है। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने कहा कि सच कहूं तो इसकी ताकत और लोगों की आस्था देखकर मैं हैरान थी। छठी मइया के साथ जो जुड़ाव मैंने महसूस किया, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। मुझे लगा कि मैं उनसे बहुत गहराई से जुड़ गई हूं। छठ पूजा 'द वन' का एक बेहद अहम हिस्सा है और मैं इस परंपरा को किसी और तरह से महसूस नहीं करना चाहती थी।' फिल्म की मूल कहानी भी पटना से करीब 35 किलोमीटर दूर बिहटा स्थित करीब 400 साल पुराने 'वन देवी मंदिर' से जुड़ी लोककथा पर आधारित है। गीत में छठ पूजा के साथ वन देवी और फिल्म की फैंटेसी दुनिया की भी झलक दिखाई जाएगी। यह फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। गीत को विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज और संगीत दी है, जबकि इसके बोल कौशल किशोर ने लिखे हैं। विशाल ने 'X' पर लिखा कि 'कुछ समय पहले कहा था कि भोजपुरी को उसका सम्मान वापस मिलना चाहिए .. "छठी मइया बुलाये" के बाद आज उसी मुहिम में एक और कदम।

मरीन ड्राइव गोलंबर का नाम रामविलास पासवान करने की मांग

एजेंसी, पटना

पटना के मरीन ड्राइव (जेपी गंगा पथ) के प्रमुख गोलंबर का नाम बदलकर 'पद्म भूषण श्रद्धेय राम विलास पासवान गोलंबर' करने की मांग की गई है। साथ ही गोलंबर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक रहे राम विलास पासवान की प्रतिमा स्थापित करने का भी आग्रह किया है। लोजपा (रामविलास) के बिहार प्रभारी सह जमुई सांसद अरुण भारती, बिहार प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक और राष्ट्रीय महासचिव सह राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी धीरेन्द्र कुमार मुन्ना ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मरीन ड्राइव के प्रमुख गोलंबर के नामकरण और वहां राम विलास पासवान की प्रतिमा लगाने को लेकर मांग पत्र सौंपा।

वहीं, दूसरी तरफ इससे पहले बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन ने बख्तियारपुर का नाम बदलकर 'नीतीशपुर' करने की मांग की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सामने यह प्रस्ताव रखा है। राष्ट्रीय जनता दल के विधायक भाई वीरेंद्र ने बख्तियारपुर का नाम 'नीतीशपुर' किए जाने की मांग पर कहा, 'ठीक है, भारत का नाम बदलकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रख दीजिए। इसी तरह सब जगहों का नाम बदल दीजिए।'

बख्तियारपुर को 'नीतीशपुर' करने पर भाई वीरेंद्र बोले- भारत का नाम भी बदल दीजिए

मरीन ड्राइव पटना की बदलती तस्वीरः लोजपा (रामविलास) मांग पत्र में कहा गया है कि जेपी गंगा पथ पर विकसित हो रहा मरीन ड्राइव पटना की बदलती तस्वीर और आधुनिक विकास का प्रमुख प्रतीक बन चुका है। ऐसे महत्वपूर्ण स्थान पर राम विलास पासवान के नाम पर गोलंबर का नामकरण और उनकी प्रतिमा स्थापित करने से उनके लंबे राजनीतिक और सामाजिक योगदान को सम्मान मिलेगा। पार्टी नेताओं ने कहा कि राम विलास पासवान ने अपने लगभग 5 दशक लंबे सार्वजनिक जीवन में गरीबों, दलितों, पिछड़ों और समाज के वंचित वर्गों के अधिकार और सम्मान के लिए काम किया। उन्होंने सामाजिक न्याय और समानता के मुद्दों को लगातार उठाया। मांग पत्र में यह भी कहा गया है कि राम विलास पासवान का राजनीतिक जीवन केवल चुनाव और सत्ता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों के हितों और उनके अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठाई।

पार्टी के अनुसार, उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए सार्वजनिक स्थान पर उनकी प्रतिमा स्थापित करना उचित होगा। पत्र में राम विलास पासवान के राजनीतिक जीवन का भी उल्लेख किया गया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि वे कई बार लोकसभा के लिए चुने गए और केंद्र सरकार में अलग-अलग महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली।

संक्षिप्त समाचार

अवैध रूप से भंडारित 308 बोरी यूरिया जब्त, दुकानदार फरार

बीएनएम@ मोतिहारी। जिला के आदापुर थाना क्षेत्र के श्यामपुर गांव में गुरुवार को 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध रूप से भंडारित 308 बोरी यूरिया खाद जब्त की। जब्त खाद का वजन 13,860 किलोग्राम यानी 13.86 मीट्रिक टन है। कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। एसएसबी के अनुसार, कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में सी-समवाय, बाह्य सीमा चौकी बेलदरवामठ की टीम ने प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और आदापुर थाना पुलिस के सहयोग से संयुक्त कार्रवाई की। टीम ने श्यामपुर रेलवे फाटक स्थित मैसर्स विजय खाद एवं बीज भंडार के गोदाम व दुकानों में छापेमारी की। जांच के दौरान पांच दुकानों में 45-45 किलोग्राम के कुल 308 बैग यूरिया अवैध रूप से भंडारित मिले। कार्रवाई से पहले संबंधित दुकानों और गोदामों के स्वामी मौके से फरार हो गए थे। सभी स्थानों पर ताला लगा था। इसके बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी, आदापुर ने मजिस्ट्रेट के रूप में अपनी मौजूदगी में दुकानों और गोदामों को खुलवाकर जांच कराई। संयुक्त टीम ने बरामद सभी 308 बोरी यूरिया को जब्त कर लिया। कृषि विभाग ने जब्त खाद को श्यामपुर स्थित सागर खाद भंडार के संचालक सुभाष चंद्र गुप्ता को जिम्मेनामा के आधार पर सुपुर्द कर दिया। मामले में कृषि विभाग की ओर से संबंधित दुकानदार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आदापुर थाना में लिखित आवेदन दिया गया है। कार्रवाई में एसएसबी के सहायक कमांडेंट आकाश यादव समेत एसएसबी जवान, आदापुर थाना पुलिस, प्रखंड कृषि पदाधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी शामिल रहे।

भारत से नेपाल भेजी जा रही 1395 किलो यूरिया खाद जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी की टीम ने सीमा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए भारत से नेपाल तस्करी कर ले जाई जा रही 1395 किलोग्राम यूरिया खाद बरामद की है। मौके से तीन साइकिल भी जब्त की गईं, जबकि एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई गुरुवार, 10 सितंबर को की गई। जानकारी के अनुसार, 71वीं वाहिनी के अंतर्गत एफ समवाय अठमोहन को सूचना मिली थी कि अगरवा गांव के रास्ते भारत से नेपाल की ओर यूरिया खाद की तस्करी की जा रही है। सूचना के बाद समवाय प्रभारी ने नाका दल गठित कर सीमा क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी। नाका के दौरान जवानों ने कुछ लोगों को साइकिल और सिर पर यूरिया की बोरियां लेकर नेपाल की ओर जाते देखा। जवानों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। एसएसबी को देखते ही कुछ तस्कर खाद की बोरियां छोड़कर नेपाल की ओर भाग निकले। वहीं, एक व्यक्ति को जवानों ने मौके पर पकड़ लिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान नेपाल के बारा जिले के सिमरौनगढ़ थाना क्षेत्र स्थित ननसागरा धात गांव निवासी विकास मुखिया (27) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान वह खाद से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या बिल प्रस्तुत नहीं कर सका। तलाशी में 45-45 किलोग्राम की 31 बोरी यूरिया खाद बरामद हुई, जिसका कुल वजन 1395 किलोग्राम है। इसके अलावा तीन साइकिल भी जब्त की गईं। पूछताछ में गिरफ्तार व्यक्ति ने खाद को नेपाल में बिक्री के लिए ले जाने की बात बताई। जब्त खाद और साइकिल को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क कार्यालय, मोतिहारी को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है। मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई भी जारी है।

द्वितीय अपील के 10 मामलों की जिलाधिकारी ने की सुनवाई

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में द्वितीय अपील के तहत 10 मामलों की सुनवाई की। इस दौरान परिवादी कार्यालय में उपस्थित रहे, जबकि संबंधित लोक प्राधिकारी ऑनलाइन माध्यम से सुनवाई में शामिल हुए। सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न मामलों में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। आदापुर अंचल के सहदेव ठाकुर ने बंदोबस्ती परवाना में पर्चा का खेसरा गलत दर्ज होने की शिकायत की थी। जिलाधिकारी ने अंचल अधिकारी, आदापुर को पांच दिनों के भीतर अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय जाकर अभिलेख में आवश्यक सुधार कराने तथा परिवादी को पर्चा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही कृत कार्रवाई का प्रतिवेदन द्वितीय अपील कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा। रामगढ़वा अंचल के अखिलेश्वर प्रसाद यादव की शिकायत रास्ते पर अतिक्रमण से संबंधित थी। जिलाधिकारी ने अंचल अधिकारी को मामले की गंभीरता से जांच कर रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने और आवागमन योग्य बनाने का निर्देश दिया। सदर अंचल, मोतिहारी के सुनील कुमार कुशवाहा ने खतियानी भूमि पर जबरन सड़क बनाए जाने की शिकायत की थी। इस मामले में जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जानकारी ली। बीडीओ ने बताया कि उक्त कार्य ग्राम पंचायत की योजना के तहत हुआ है और इसकी जांच भी कराई जा चुकी है। जिलाधिकारी ने सदर अनुमंडल पदाधिकारी, मोतिहारी को पुनः नापी कराकर मामले की जांच करने का निर्देश दिया। सदर अंचल, मोतिहारी के नरेश प्रसाद ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर मौजा स्थानांतरण की शिकायत की थी। भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर मोतिहारी ने बताया कि यह परिमार्जन से संबंधित मामला है, जिसकी पूर्व में जांच कराई जा चुकी है। जिलाधिकारी ने अपर समाहर्ता, पूर्वी चंपारण को मामले की पुनः जांच कर 10 दिनों के भीतर प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया। घोड़ासहन अंचल के रामाधार राय ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि उनके नाम पर किसी दूसरे के घर की तस्वीर अपलोड कर दी गई है, जिसके कारण उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिलाधिकारी ने बीडीओ, घोड़ासहन को स्वयं स्थल निरीक्षण कर मामले की जांच करने और प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया। जिला के सुगौली प्रखंड के रामबाबू प्रसाद ने पंचायत में कराए गए कार्यों में अनियमितता की शिकायत की। उनका आरोप था कि श्रमदान से मिट्टी भराई का कार्य कराया गया, लेकिन उसे मनरेगा के तहत दर्शाकर राशि की निकासी कर ली गई। जिलाधिकारी ने बीडीओ, सुगौली को तीन दिनों के भीतर जांच कर यह बताने का निर्देश दिया कि कार्य वास्तव में हुआ है या नहीं तथा कितनी राशि की निकासी की गई है। साथ ही संबंधित पंचायत में नल-जल योजना की भी जांच कर प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को मामलों में समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

झरोखर में एसएसबी ने लगाया निःशुल्क चिकित्सा शिविर, ग्रामीणों को बीमारी से बचाव के बताए उपाय

बीएनएम@ मोतिहारी

सीमावर्ती ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने और सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी की ओर से गुरुवार को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में बी समवाय, जमुनिया के कार्यक्षेत्र अंतर्गत जीवंत गांव (वीवीपी-II) झरोखर में निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श और दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। वाहिनी के जीडीएमओ डॉ. सुजीत कुमार ने ग्रामीणों की जांच की। इस दौरान ग्रामीणों को अपने आसपास साफ-सफाई रखने और जलजमाव नहीं होने देने की सलाह दी गई। डेंगू, मलेरिया समेत अन्य मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए जरूरी सावधानियों की जानकारी भी दी गई। साथ ही भोजन में पोषक तत्वों से भरपूर श्री अन्न (मोटे अनाज) को शामिल करने के फायदे बताए गए।

विद्यार्थियों को मानव तस्करी व नशा मुक्ति का पाठ- झरोखर स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में सहायक कमांडेंट प्रमोद कुमार ने जागरूकता कक्षा आयोजित कर विद्यार्थियों को मानव तस्करी की रोकथाम, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया। विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया गया।

जमुनिया में चला स्वच्छता अभियान- वहीं, जीवंत गांव जमुनिया में एसएसबी जवानों ने स्वच्छता अभियान चलाया। इसमें एसएसबी के अधिकारियों व जवानों के साथ घोड़ासहन के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, विद्यालय के शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों और विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति नियमित रूप से जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

लगातार 31वीं बार डॉ. अजय कुमार वर्मा बने राजा बाजार दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष

बीएनएम@ मोतिहारी

राजा बाजार दुर्गा पूजा समिति की वर्ष 2026 की नई कार्यकारिणी का गठन राम-जानकी मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में पूजा आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। वरीय सर्जन डॉ. अजय कुमार वर्मा को लगातार 31वीं बार समिति का अध्यक्ष चुना गया। श्यामबाबू सिंह (महिंद्रा एजेंसी) और सतेंद्र मिश्रा (मिश्रा बंधु बस) को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। रविनारायण राय को सचिव, विजय सिंह को सहसचिव, प्रभात सिंह को कोषाध्यक्ष और गिरधारी श्रीवास्तव को व्यवस्थापक बनाया गया। पीयूष रंजन को मीडिया प्रभारी तथा रिपुशुदन तिवारी को पूजा प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में संरक्षक मंडल के रविभूषण श्रीवास्तव, सुनील तिवारी, डॉ. राजेश श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, शेखर श्रीवास्तव, धर्मेंद्र सिंह, रोचक झा (पार्षद पति), मुन्ना तिवारी और पप्पु श्रीवास्तव समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे। सदस्य मंडल में धीरज तिवारी, शिवम श्रीवास्तव, शोभित श्रीवास्तव, बादल, निखिल श्रीवास्तव, कुणाल तिवारी, नीरज श्रीवास्तव और माखन कुमार समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में समिति के सदस्यों ने दुर्गा पूजा को श्रद्धा, भव्यता और आपसी सहयोग के साथ संपन्न कराने का संकल्प लिया। पदाधिकारियों ने कहा कि राजा बाजार की दुर्गा पूजा लंबे समय से धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकजुटता का भी प्रतीक रही है। इस वर्ष भी पूजा का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जाएगा।

जिला राजस्व कार्यालय का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

सभी कर्मी मिले उपस्थित, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का दिया निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरव सुमन यादव ने गुरुवार की सुबह 10:30 बजे जिला राजस्व कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अपर समाहर्ता, पूर्वी चंपारण मुकेश कुमार सिन्हा, राजस्व प्रभारी निधि सहित कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में कार्यरत कर्मियों की उपस्थिति एवं बायोमैट्रिक अटेंडेंस की जानकारी ली। बताया गया कि कार्यालय में कुल 10 कर्मी पदस्थापित हैं और निरीक्षण के दौरान सभी 10 कर्मी उपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने प्रत्येक कर्मी से परिचय प्राप्त कर उनके कार्य एवं दायित्वों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना, आयुक्त कार्यालय, मुजफ्फरपुर तथा जिलाधिकारी कार्यालय से प्राप्त पत्रों की जानकारी ली और उनके संधारण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पत्रों पर की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की। इस दौरान आगत पंजी एवं कार्य आवंटन से संबंधित लॉगबुक का सही ढंग से संधारण करने तथा इसकी नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया, ताकि प्राप्त पत्रों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने जनता दरबार, जनसुनवाई एवं सहयोग पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों और आवेदनों की भी जानकारी ली तथा उनके निष्पादन की स्थिति की समीक्षा की। अभियान बसेरा, धार्मिक न्यास एवं भू-अर्जन से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके अलावा बेतिया राज की जमीन, भूदान तथा खास महल की जमीन से संबंधित मामलों की भी जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान न्यायालय से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि उच्च न्यायालय से संबंधित कुल 246 मामले लंबित हैं, जबकि एमजेसी के 44 मामले लंबित पाए गए। जिलाधिकारी ने सभी लंबित मामलों में शीघ्र प्रति-शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि न्यायालय से संबंधित मामलों में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए।जिलाधिकारी ने सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य 'सबका सम्मान-जीवन आसान' को ध्यान में रखते हुए आमजन से प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने उपस्थित सभी कर्मियों को अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी एवं निष्ठा के साथ निर्वहन करने का निर्देश दिया। कहा कि सभी कर्मी मन लगाकर कार्य करें, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी अभिलेखों एवं रिकॉर्ड का व्यवस्थित ढंग से संधारण करने तथा रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए आवश्यकता के अनुसार सामग्री की खरीद करने का भी निर्देश दिया। अंत में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने राजस्व शाखा के प्रभारी पदाधिकारी एवं अपर समाहर्ता को सप्ताह में कम से कम एक बार प्राप्त पत्रों के निष्पादन की प्रक्रिया एवं उसकी प्रगति की समीक्षा करने तथा प्रत्येक सप्ताह इसकी रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया।

मोतिहारी में पहुंचा आचार्य विद्यासागर जी महाराज का रथ, जैन समाज ने की पूजा-अर्चना

बीएनएम@ मोतिहारी

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की स्मृतियों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारत भ्रमण पर निकला रथ बुधवार को मोतिहारी पहुंचा। रथ का ठहराव राधा कृष्ण सेवा संस्थान ट्रस्ट के मोदी मोमेंटो म्यूजियम में हुआ। इस दौरान मोतिहारी के जैन समाज के लोगों ने रथ का स्वागत कर आचार्य विद्यासागर जी महाराज की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम के दौरान आचार्य विद्यासागर जी महाराज के जीवन और उनके कार्यों से संबंधित जानकारी श्रद्धालुओं को दी गई। बताया गया कि मध्य प्रदेश के सागर जिले के हीरापुर में आचार्य विद्यासागर जी महाराज की स्मृति में आश्रम का निर्माण कराया जा रहा है। आश्रम में उनके जीवन, साधना और समाज के लिए किए गए कार्यों से संबंधित सामग्री को संरक्षित किया जाएगा। आश्रम निर्माण में योगदान देते हुए यमुना कुमार सीकरीया ने एक पग भूमि और एक स्वर्ण शिला दान की। इसके लिए रथ कार्यक्रम के संयोजक संदीप जैन संगम की ओर से यमुना कुमार सीकरीया और डॉ. शंभूनाथ सीकरीया को रजत कलश एवं गुरुजी की स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. शंभूनाथ सीकरीया ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि करीब दस वर्ष पूर्व उन्हें शिखरजी में आचार्य विद्यासागर जी महाराज के दर्शन का अवसर मिला था। उन्होंने बताया कि उस दौरान उनके साथ एक संबंधी भी थे और गुरुजी के आशीर्वाद से उन्हें एक विशेष आध्यात्मिक अनुभूति हुई, जिसे वे आज भी स्मरण करते हैं। रथ कार्यक्रम के संयोजक संदीप जैन संगम ने कहा कि आचार्य विद्यासागर जी महाराज भले ही आज भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, संदेश और स्मृतियां आज भी अनुयायियों को मार्गदर्शन देती हैं। रथ के माध्यम से उनके जीवन और आध्यात्मिक संदेश को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में मोतिहारी जैन समाज के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और प्रस्तावित आश्रम के निर्माण में सहयोग के लिए दान भी दिया। मौके पर सुमित जैन, शैल जैन, अभिषेक जैन, मिंटू जैन, सचिन जैन, ज्योति जैन, प्रज्ञा जैन समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

अंतरजिला डकैत गिरोह का पर्दाफाश, 15.50 लाख नकद व हथियार समेत चार गिरफ्तार

सीतामढ़ी, नेपाल और पूर्वी चंपारण से जुड़े थे अपराधियों के तार, डकैती के लूटे रुपये व जेवरात बरामद; गिरोह के सदस्यों पर दर्ज हैं कई मामले

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस ने अंतरजिला डकैत गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से डकैती में लूटे गए 15.50 लाख रुपये नकद, एक पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, 2.107 किलोग्राम चरस जैसा मादक पदार्थ, चांदी के जेवरात, पांच मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल समेत अन्य सामान बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों के तार पूर्वी चंपारण के अलावा सीतामढ़ी, दरभंगा और नेपाल से जुड़े होने की बात पुलिस जांच में सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, 30 अगस्त की रात ढाका थाना क्षेत्र के मठिया मोहन गांव निवासी मनोज कुमार शर्मा के घर में पांच-छह अज्ञात अपराधियों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया था। मामले में ढाका थाना कांड संख्या 468/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान अपराधियों के सीतामढ़ी जिले के बेला, परिहार, बथनाहा और मेहसौल थाना क्षेत्रों के साथ नेपाल से जुड़े होने की जानकारी मिली।

इसके बाद पुलिस ने अपने गुप्तचर तंत्र को सक्रिय किया। इसी क्रम में बथनाहा थाना क्षेत्र के भलही गांव निवासी मो. सफीक मंसूरी उर्फ बन्ठा के बारे में पुलिस को सूचना मिली। बताया गया कि वह पूर्व में डकैती के मामले में जेल जा चुका है और हाल ही में जेल से बाहर आया है। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में उसने सिकरहना अनुमंडल क्षेत्र में हुई पांच डकैती की घटनाओं में अपनी संलिप्तता के बारे में जानकारी दी और अपने अन्य सहयोगियों के नाम-पते का खुलासा किया।

लूट के रुपये, पिस्टल और जेवरात बरामद- पुलिस ने सफीक मंसूरी की निशानदेही पर डकैती में लूटे गए नकद रुपये और जेवरात बरामद किए। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त पिस्टल, दरवाजा तोड़ने में इस्तेमाल लोहे का रॉड और डकैती के रुपये से खरीदी गई मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह से जुड़े तीन अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपितों में मो. सफीक मंसूरी उर्फ बन्ठा, पिता स्वर्गीय हासिम मंसूरी, निवासी भलही, थाना बथनाहा, सीतामढ़ी; मो. तनवीर शेख, पिता मो. साबिर शेख, निवासी बेतहा, थाना बेला, सीतामढ़ी; शंभु पासवान उर्फ मोगल, पिता नागेंद्र पासवान, निवासी हरपुर भालहां, थाना बथनाहा, सीतामढ़ी और अमरनाथ ठाकुर, पिता स्वर्गीय देवेंद्र ठाकुर, निवासी परिहार, थाना परिहार, सीतामढ़ी शामिल हैं।

बरामद सामान में 15.50 लाख रुपये नकद, एक पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, 2.107 किलोग्राम चरस जैसा मादक पदार्थ, दो रॉड, पांच मोबाइल फोन, एक जोड़ी पायल, दो लॉकेट, एक सिकड़ी, एक कमर की चाबी, सात अंगूठियां और एक मोटरसाइकिल शामिल है।

दर्जनों कांडों में सामने आया है नाम- पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार सफीक मंसूरी उर्फ बन्ठा के खिलाफ सीतामढ़ी के बेला, बाजपट्टी, सोनबरसा और नगर थाना में आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, डकैती और चोरी के मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ चिरैया थाना कांड संख्या 244/26, कुंडवाचैनपुर थाना कांड संख्या 181/26, चिरैया थाना कांड संख्या 409/26, कुंडवाचैनपुर थाना कांड संख्या 268/26 और ढाका थाना कांड संख्या 468/26 में भी डकैती के मामले दर्ज हैं।

मो. तनवीर शेख के खिलाफ दरभंगा के जाले और सदर थाना के अलावा सीतामढ़ी के बाजपट्टी और डुमरा थाना में डकैती, आर्म्स एक्ट, चोरी और गृहभेदन के मामले दर्ज हैं। पूर्वी चंपारण में उसके खिलाफ चिरैया थाना कांड संख्या 244/26 और ढाका थाना कांड संख्या 468/26 में डकैती के मामले दर्ज हैं।

शंभु पासवान उर्फ मोगल के खिलाफ सीतामढ़ी के बथनाहा थाना में चोरी तथा चिरैया थाना के दो मामलों और ढाका थाना कांड संख्या 468/26 में डकैती के मामले दर्ज हैं। वहीं अमरनाथ ठाकुर के खिलाफ ढाका थाना कांड संख्या 468/26 में डकैती का मामला दर्ज है।

सिकरहना एसडीपीओ के नेतृत्व में हुई कार्रवाई- डकैत गिरोह के उद्भेदन और गिरफ्तारी के लिए गठित छापामारी दल का नेतृत्व सिकरहना एसडीपीओ अभिषेक कुमार ने किया। टीम में ढाका अंचल के पर्यवेक्षी पदाधिकारी पुलिस निरीक्षक अशोक साह, ढाका थानाध्यक्ष पुलिस निरीक्षक राजरूप राय, सीतामढ़ी डीआईयू के पुलिस अवर निरीक्षक मो. मुशीर अली, ढाका थाना के पुलिस अवर निरीक्षक मो. खलील, घोड़ासहन थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार, मोतिहारी डीआईयू के राहुल कुमार, करण सिंह, कृष्णमोहन कुमार समेत ढाका थाना और डीआईयू के पुलिस पदाधिकारी व जवान शामिल थे।

पुलिस के अनुसार, मामले में गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों और उनकी आपराधिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में अग्रतर कार्रवाई जारी है।

संक्षिप्त समाचार

लंबित चालान के निपटारे को लेकर जागरूकता वाहन रवाना

बीएनएम@ समस्तीपुर। समस्तीपुर। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में परिवहन विभाग से संबंधित लंबित चालानों के त्वरित निष्पादन को लेकर जिला प्रशासन ने जागरूकता अभियान शुरू किया है। इसी कड़ी में गुरुवार को समाहरणालय परिसर से जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर वाहन चालकों एवं वाहन स्वामियों को लंबित चालानों के निपटारे के लिए उपलब्ध विशेष सुविधा तथा राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जानकारी देगा। जिला प्रशासन एवं जिला परिवहन कार्यालय के अनुसार, वाहन स्वामी 7 सितंबर से 11 सितंबर तक जिला परिवहन कार्यालय, समस्तीपुर में उपस्थित होकर अपने लंबित चालान की 50 प्रतिशत राशि जमा कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में इस सुविधा का लाभ उठाकर चालान की राशि जमा करने वाले वाहन स्वामियों को 12 सितंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में स्वयं उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक सदर अनुमंडल कार्यालय, समस्तीपुर के प्रांगण में किया जाएगा। जागरूकता वाहन को रवाना किए जाने के मौके पर उप विकास आयुक्त सूर्य प्रताप सिंह, अपर समाहर्ता ब्रजेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी प्रवीण कुमार, अपर जिला परिवहन पदाधिकारी सौरभ कुमार सहित जिला प्रशासन एवं परिवहन विभाग के पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहे।

4.48 लाख से अधिक पेंशनधारियों के खाते में पहुंची 52.55 करोड़ की राशि

बीएनएम@ समस्तीपुर। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत जिले के 4 लाख 48 हजार 291 पेंशनधारियों के खाते में गुरुवार को कुल 52 करोड़ 55 लाख 40 हजार 900 रुपये की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा राज्य के पेंशनधारियों को 1,100 रुपये प्रतिमाह की दर से पेंशन एवं बकाया राशि का डीबीटी के माध्यम से भुगतान किया गया। इस अवसर पर जिला स्तर पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। समस्तीपुर जिले में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत लाभुकों को इस भुगतान का लाभ मिला। इस अवसर पर जिलाधिकारी, समस्तीपुर ने सभी पेंशनधारियों से अपील की कि वे अपना जीवन प्रमाणीकरण (लाइफ सर्टिफिकेट) एवं आधार सीडिंग निर्धारित समय पर अवश्य करा लें। उन्होंने कहा कि आवश्यक प्रक्रिया पूरी रखने से भविष्य में पेंशन की राशि के भुगतान में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आईसीडीएस, सहायक निदेशक, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण कोषांग, सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जीएमआरडी कॉलेज में क्विज के लिए पंजीकरण शुरू

बीएनएम@ समस्तीपुर। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (टठल्स्क्) 2027 के तहत जीएमआरडी कॉलेज, मोहनपुर में क्विज प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रतियोगिता को लेकर कॉलेज के कक्षा-कक्षों में छात्र-छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी गई तथा उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार एवं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. लक्ष्मण यादव के नेतृत्व में किया गया। विद्यार्थियों को विकसित भारत/2047, सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक विषयों पर आधारित क्विज प्रतियोगिता के उद्देश्य और महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कॉलेज में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में प्रतियोगिता को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। छात्र-छात्राओं ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की इच्छा जताई। मौके पर डॉ. दिनेश प्रसाद, डॉ. जितेंद्र पांडेय, डॉ. शशि सुमन, विश्वजीत, मनीष संजय, ब्रजेश, राघवेंद्र, बबलू, आदर्श, सत्यम, राहुल, नंदिनी, सलोनी, आइसा, संदीप सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।

नवगांवा में श्रीकृष्ण के छठियार पर उमड़ा आस्था का सैलाब

बीएनएम@ः योगापट्टी। नगर पंचायत मच्छरगांवा के नवगांवा गांव में भगवान श्रीकृष्ण के छठियार के अवसर पर बुधवार की देर रात धार्मिक आयोजन धूमधाम और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं, देर शाम आयोजित दुगोला कार्यक्रम में लोकगीतों की शानदार प्रस्तुतियों ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्ष अक्ष्नी कुमार ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के दौरान उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की और क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। रात में आयोजित दुगोला कार्यक्रम मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। चुन्नू मिश्रा और सुभाष सागर की टीमों ने एक से बढ़कर एक लोकगीत प्रस्तुत किए। दोनों टीमों के कलाकारों के बीच गीतों के माध्यम से सवाल-जवाब का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। शानदार प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। आयोजन में वार्ड सदस्य धर्मनाथ कुमार समेत कई जनप्रतिनिधि, आयोजन समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। धार्मिक आयोजन और दुगोला कार्यक्रम को लेकर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

सड़क पर पानी गिराने के विवाद में खूनी संघर्ष, देवर-भाभी की मौत; तीन आरोपित गिरफ्तार

जिहुली जमुनी टोला में चाकूबाजी के बाद पुलिस की कार्रवाई, गांव में कैंप कर रही पुलिस

बीएनएम@ पताही

थाना क्षेत्र के जिहुली जमुनी टोला में सड़क पर पानी गिराने को लेकर शुरू हुआ विवाद बुधवार शाम खूनी संघर्ष में बदल गया। दो पक्षों के बीच हुई मारपीट और चाकूबाजी में गंभीर रूप से घायल मरीना खातून (35), पत्नी मोहसिन अख्तर, और जमील अख्तर (36) की मोतिहारी सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। दो मौतों के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस कैंप कर रही है। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान संजय सिंह, पिता सियाराम सिंह, नगनारायण सिंह, पिता सीताराम सिंह और लक्ष्मीनारायण सिंह, पिता स्वर्गीय लगन सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह सड़क पर पानी गिराने को लेकर मोहसिन अख्तर और संजय सिंह के बीच विवाद हुआ था। सूचना पर पताही थाना की गश्ती पुलिस और 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। पानी के निकास की व्यवस्था कराने का आश्वासन देने के बाद पुलिस टीम लौट गई। बताया जा रहा है कि शाम में एक बार फिर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई और देखते ही देखते चाकूबाजी होने लगी। इसी दौरान विवाद शांत कराने और बीच-बचाव करने पहुंचीं मरीना खातून और जमील अख्तर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पताही पीएचसी ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव के कारण दोनों की मौत हो गई।

दोनों पक्षों के कई लोग घायल- घटना में दोनों पक्षों के कई लोगों के घायल होने की जानकारी है। दूसरे पक्ष के संजय सिंह के घायल होने के साथ उनके पुत्र हर्ष कुमार के भी घायल होने की बात सामने आई है। घायलों का अलग-अलग स्थानों पर इलाज कराया जा रहा है।

दो मौतों के बाद पुलिस का पहरा- घटना के बाद प्रभारी डीएसपी अभिषेक कुमार, पताही थानाध्यक्ष बबन कुमार समेत कई थानों की पुलिस गांव पहुंची। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती की गई और गांव में कैंप किया जा रहा है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, दोनों परिवारों के घर आमने-सामने हैं और पहले उनके बीच अच्छे संबंध थे। ग्रामीणों का कहना है कि छोटी-सी बात ने देखते ही देखते इतना भयावह रूप ले लिया कि दो परिवारों के घरों के चिराग बुझ गए।

पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार, घटना में शामिल सभी लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। फिलहाल गांव की स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

पुरनहिया मोड़ से 53 ग्राम सोना जैसे आभूषण बरामद, दो गिरफ्तार

बीएनएम@ विक्की विजेंद्र

घोड़ासहनः पुलिस ने छापेमारी कर 53 ग्राम सोना जैसे धातु के आभूषण और तीन मोबाइल फोन के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि पुरनहिया मोड़ के पास अवैध रूप से सोना जैसे आभूषण की खरीद-बिक्री होने वाली है। सूचना के आधार पर सिकरहना अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई की गई। पुलिस टीम को देखते ही दोनों आरोपित भागने लगे। पुलिस बल ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बंजरिया थाना क्षेत्र के गोबरी निवासी शेख सोबराती और दरपा थाना क्षेत्र के गम्हरिया कला निवासी शैलेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि बरामद सामान में 12 ढोलना, दो मंगलसूत्र, 10 मारवाड़ी नथ, 27 नोज पिन, आठ कान के झुमके, दो जिरिया और दो घुंघुरा शामिल हैं। थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या बरामद आभूषण लूट या चोरी से संबंधित प्रतीत होते हैं। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

घोड़ासहन के पोखर में मिला युवक का शव, 700 रुपये के लेनदेन में हत्या का आरोप

बीएनएम@ घोड़ासहन

घोड़ासहन थाना क्षेत्र के गुरमिया-बलान रोड स्थित एक पोखर से बुधवार को 30 वर्षीय युवक का शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गुरमिया मठवा टोला निवासी मंशा पांडे के पुत्र कमलेश पांडे के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गुरमिया निवासी लक्ष्मण भगत के पोखर में ग्रामीणों ने युवक का शव पानी में तैरता देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने घटना की सूचना घोड़ासहन थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को पोखर से बाहर निकलवाया। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मोतिहारी भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने कमलेश की मौत को दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका आरोप है कि महज 700 रुपये के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में कमलेश की हत्या की गई। परिजनों ने गुरमिया निवासी एक मल्लाह पर हत्या का शक जताया है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस दुर्घटना और हत्या, दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। परिजनों के आरोप के आधार पर संदिग्धों से पूछताछ की भी तैयारी की जा रही है।

फिजिबिलिटी जांच में ट्रेन ठहराव के मानक पर खरा उतरा घोड़ासहन स्टेशन

बीएनएम@ विक्की विजेंद्र

घोड़ासहनः घोड़ासहन स्टेशन पर प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता पुरुषोत्तम चौधरी की पहल अब रंग लाती दिखाई दे रही है। श्री चौधरी ने 2 जून 2026 को रेलवे अधिकारियों को पत्र भेजकर स्टेशन पर प्रस्तावित ट्रेनों के ठहराव की व्यवहार्यता तथा निर्धारित मानकों की जांच कराने की मांग की थी। इसके बाद मंडल रेल कार्यालय, समस्तीपुर के निर्देश पर संबंधित विभाग ने स्टेशन की फिजिबिलिटी जांच कराई। रेलवे की जांच में घोड़ासहन स्टेशन को एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव के लिए निर्धारित यात्री संख्या सहित अन्य मानकों के अनुरूप पाया गया है। इससे लंबे समय से एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग कर रहे यात्रियों और स्थानीय लोगों में उम्मीद बढ़ी है। अब सभी की निगाहें रेलवे की अंतिम स्वीकृति और आदेश पर टिकी हैं। जांच रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी से जुलाई 2026 तक के आंकड़ों के आधार पर घोड़ासहन स्टेशन पर प्रतिदिन औसतन 1,149 यात्रियों का आवागमन दर्ज किया गया। वहीं प्रस्तावित ट्रेनों में स्लीपर और एसी श्रेणी को मिलाकर प्रति ट्रेन औसतन 44 यात्रियों के मिलने का अनुमान लगाया गया है। रेलवे द्वारा ठहराव के लिए निर्धारित मानक 40 यात्री का है। इस लिहाज से स्टेशन निर्धारित यात्री संख्या के मानक को पूरा करता है। रिपोर्ट में घोड़ासहन स्टेशन को एनएसजी-5 श्रेणी का बताते हुए इसकी यात्री उपयोगिता को महत्वपूर्ण माना गया है। जांच में यह भी सामने आया कि प्रस्तावित ट्रेनों के ठहराव से रेल लाइन की क्षमता तथा ट्रेनों की समयबद्धता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। फिजिबिलिटी जांच में मानकों पर खरा उतरने के बाद अब स्थानीय लोगों और यात्रियों को उम्मीद है कि घोड़ासहन स्टेशन पर प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव को लेकर रेलवे जल्द सकारात्मक निर्णय लेगा।

आर्य समाज मोतिहारी का शताब्दी समारोह, आज होगा यज्ञशाला का उद्घाटन

बीएनएम@ मोतिहारी

» पांच दिवसीय आयोजन में देशभर के वैदिक विद्वान देंगे प्रवचन व भजनोपदेश

शहर के छतौनी स्थित आर्य समाज मोतिहारी के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शताब्दी सह यज्ञशाला उद्घाटन समारोह का आयोजन आज शुक्रवार, 11 से आगामी 15 सितंबर, मंगलवार तक आर्य समाज मंदिर, आर्य समाज चौक में होगा। बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में आयोजित इस पांच दिवसीय समारोह में चम्पारण जिला आर्य सभा एवं पुरोहित सभा का विशेष सहयोग रहेगा। समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से प्रख्यात वैदिक विद्वान एवं भजनोपदेशक शामिल होंगे। इनमें डॉ. ज्वलंत कुमार शास्त्री (अमेठी), डॉ. ओमव्रत शास्त्री (गाजियाबाद/दिल्ली), संगीता आर्या और आचार्य प्रताप वैदिक (सहारनपुर) प्रमुख हैं। विद्वानों द्वारा वैदिक प्रवचन, भजनोपदेश एवं यज्ञीय कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं को वैदिक संस्कृति, चरित्र निर्माण और सामाजिक उत्थान का संदेश दिया जाएगा। आयोजन के दौरान यज्ञ, वैदिक प्रवचन, भजनोपदेश के अलावा सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम होंगे। नवनिर्मित यज्ञशाला का उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण रहेगा। आर्य समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था ने अपने सौ वर्षों की यात्रा में वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार, शिक्षा, सामाजिक जागरण, संस्कार निर्माण और समाजसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शताब्दी समारोह के माध्यम से महर्षि दयानंद सरस्वती के वैदिक विचारों एवं संदेश को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा।

सीएसआर फंड से गया को स्वास्थ्य, पेयजल एवं शव परिवहन की सुविधाएं मिलीं : डॉ. प्रेम कुमार

बीएनएम@ गयाजी

बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गुरुवार को जिला समाहरणालय में सीएसआर फंड के माध्यम से उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य, पेयजल एवं शव परिवहन से संबंधित सुविधाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डीएम, नगर आयुक्त तथा बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख सत्य प्रकाश सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बरौनी रिफाइनरी द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के तहत गया जिले को 3 ट्रूनेट मशीन, 1 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (ALS) एम्बुलेंस, 1 मॉर्चरी वैन तथा 1000 लीटर प्रति घंटे क्षमता वाले 25 RO वाटर एटीएम उपलब्ध कराए गए हैं। इन सुविधाओं की कुल लागत लगभग 163.85 लाख है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि ट्रूनेट मशीनों से स्वास्थ्य जांच की सुविधा को मजबूती मिलेगी, जबकि ALS एम्बुलेंस गंभीर मरीजों के त्वरित एवं सुरक्षित परिवहन में सहायक होगी। मॉर्चरी वैन से जरूरतमंद परिवारों को शव के सम्मानजनक एवं सुरक्षित परिवहन की सुविधा मिलेगी। वहीं, 25 RO वाटर एटीएम के माध्यम से लोगों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार, जिला प्रशासन और सार्वजनिक उपक्रमों के समन्वय से जनकल्याणकारी कार्यों को और प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख श्री सत्य प्रकाश तथा पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

माओ त्से-तुंग और कलाकार बलभद्र को दी गई श्रद्धांजलि

बीएनएम@ बेगूसराय

शहीद सुखदेव सिंह समन्वय समिति के तत्वावधान में सर्वोदय नगर स्थित सुखदेव सभागार में चीन के प्रथम राष्ट्रपति माओ त्से-तुंग की 50वीं स्मृति दिवस तथा बेगूसराय के जाने-माने कलाकार एवं गायक बलभद्र की श्रद्धांजलि सभा संयुक्त रूप से आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेपी सेनानी के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व भारत-चीन मैत्री संघ के प्रदेश सचिव एवं शिक्षक नेता अमरेंद्र कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि माओ त्से-तुंग चीन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्तित्व रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1918 की रूसी क्रांति के बाद दुनिया में सामाजिक और राजनीतिक बदलाव की नई लहर पैदा हुई। जिसका प्रभाव चीन सहित कई देशों पर पड़ा। माओ ने चीन के सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर महिला सेल की सचिव सुनीता देवी और जेपी सेनानी के जिला सचिव ने कहा कि माओ त्से-तुंग और बलभद्र की श्रद्धांजलि सुखदेव सभागार सर्वोदय नगर में मनाई गई। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी में जो हमारे देश के अनेक नेताओं ने अपना खून पसीना बहा कर देश को आजाद बनाने में अहम भूमिका निभाई उन्हें आज के नेता भूलते जा रहे हैं। मौके पर पवन शर्मा, नाथन साह, पप्पू कुमार, मीना देवी अनेकों ने अपना विचार व्यक्त किया और दोनों को माल्यार्पण किया।

क्रय शक्ति और खपत पर आधारित

भारत में मजबूत होती के-शेप अर्थव्यवस्था में ‘समृद्ध उपभोक्ताओं’ की संख्या बढना लाजिमी है। कोरोना काल के बाद समृद्धि का वितरण और गतिरुद्ध हुआ है। लग्जरी उपभोग का बढना उसका ही परिणाम है। मार्केट एजेंसी नीलसन-आईक्यू की ताजा रिपोर्ट के इस अनुमान पर कुछ हलकों में सुखबोध देखने मिला है कि अगले दस साल में भारत ‘समृद्ध उपभोक्ताओं’ के मामले में चीन को पछाड़ देगा। इस अनुमान के मुताबिक 2036 में भारत में 10.8 करोड़ ऐसे उपभोक्ता होंगे, जबकि चीन में यह संख्या 10.3 करोड़ के करीब होगी। नीलसन ने इसे भारतीय बाजार में आ रहे बड़े बदलाव का संकेत माना है। उसने ‘समृद्ध उपभोक्ता’ उन्हें माना है जो औसतन प्रति दिन 90 डॉलर (लगभग 8,500 रुपये) से अधिक खर्च करते हैं। यानी नीलसन का यह आकलन व्यक्ति की संपत्ति या आय के अनुसार नहीं, बल्कि क्रय शक्ति और खपत पर आधारित है। इसके मुताबिक अभी भारत में ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 2.6 करोड़ है। यानी नीलसन का अनुमान सच होने के लिए जरूरी है कि अगले एक दशक में इस संख्या में सवा तीन गुणा बढ़ोतरी हो। भारत में मजबूत होती के-शेप अर्थव्यवस्था में चीजें इस ओर जाएंगी, यह अंदाजा लगाना उचित ही है। कोरोना काल के बाद अर्थव्यवस्था का यह रूप अधिक ठोस होता गया है, जिसमें धनी और गरीब तबकों के बीच का फासला बढ़ता चला जाता है। इस विषमता की तस्दीक तमाम अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों से हुई है। इससे बाजार में महंगी, लग्जरी चीजों की मांग बढ़ी है, जबकि आम उपभोग की स्थिति ठहराव का शिकार रही है। पिछले साल एक अध्ययन रिपोर्ट में बताया गया कि देश में एक अरब से अधिक लोगों के पास बेहद जरूरी चीजों के अलावा किसी और खरीदारी की शक्ति नहीं है। नीलसन की रिपोर्ट से भी यही संकेत मिलता है कि भारत में महंगी कारों, इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं, पर्यटन, प्रीमियम उपभोग, लग्जरी वस्तुओं का बाजार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का विस्तार होगा। यह बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अच्छी खबर है। बहरहाल, ऐसा होने की शर्त यह है कि देश में आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिरता रहे और शासक वर्ग सामाजिक असंतोष को नियंत्रण में रखने में सक्षम बना रहे। बढ़ती गैर-बराबरी के साथ ऐसा कर पाना अक्सर आसान नहीं होता। इसीलिए इस रिपोर्ट के बारे में भी कहा जाएगा कि इसकी अहमियत फिलहाल तात्कालिक सुखबोध तक सीमित है।

दुनिया छोड़िए भारत अपने पड़ोस में ही बेगाना

हरिशंकर व्यास

सात अक्टूबर को मोदी के शीर्ष सरकारी पद पर रहते हुए 25 साल के मौके को खास बनाने के लिए बहुत कुछ हैं। उससे पहले उनका जन्मदिन भी है। वे 17 सितंबर को 76 साल के होंगे। पिछले साल जब अमृत वर्ष हुआ था तब इस बात की बहुत चर्चा हुई थी कि अब वे 75 साल के हो गए तो क्या पार्टी के अघोषित नियम के मुताबिक उनको रिटायर हो जाना चाहिए? उसी समय संघ प्रमुख मोहन भागवत भी 75 साल के हुए थे। फिर दोनों ने तय किया कि 75 साल का नियम दूसरे लोगों के लिए है, जो उन पर लागू नहीं होगा और दोनों अपने पद पर बने रहे। पिछले साल जुलाई में मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 4,078 दिन पद पर रह कर इंदिरा गांधी का 4,077 दिन लगातार पीएम रहने का रिकॉर्ड तोड़ा था। इस साल 10 जून को एक नए रिकॉर्ड की खूब चर्चा हुई। भाजपा ने एक नई श्रेणी बनाई और कहा कि मोदी अबसबसे ज्यादा दिन पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री हो गए हैं। भाजपा का कहना है कि नेहरू 1947 में प्रधानमंत्री बने तो निर्वाचित नहीं थे। निर्वाचित प्रधानमंत्री वे 1952 में बने थे और लगातार 4,398 दिन पद पर रहे थे। 10 जून 2026 को मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 4.399 दिन पूरे हुए और उन्होंने नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मोदी की इन दोनों उपलब्धियों में लगातार और निर्वाचित शब्द महत्वपूर्ण है क्योंकि सबसे ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री रहने के मामले में वे अब भी इंदिरा गांधी से तीन साल और नेहरू से पांच साल पीछे हैं। जब भाजपा और केंद्र सरकार इस बात का उत्सव मना रहे थे कि मोदी लगातार सबसे ज्यादा दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं और नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है तब हिंदी के एक लेखक ने तंज करते हुए लिखा था कि मोदी जब 79 साल के होंगे तब वे धरती पर महात्मा गांधी से ज्यादा सांस लेने का रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

बहरहाल, उनके नाम से अनगिनत रिकॉर्ड दर्ज हो गए हैं। वे लगातार सबसे ज्यादा दिन प्रधानमंत्री रहने वाले निर्वाचित नेता हैं, मुख्यमंत्री रहते पीएम पद के दावेदार घोषित होने और पीएम बनने वाले पहले नेता हैं, दोनों पद मिला कर 25 साल रहने वाले पहले नेता हैं, संसद की सीढ़ियों पर माथा टेकने वाले पहले नेता हैं, संविधान को माथे से लगा कर सेंट्रल हॉल में भाषण देने वाले पहले नेता हैं, नए संसद भवन में बतौर प्रधानमंत्री बोलने वाले पहले नेता हैं। आदि, आदि। सोचें, उन्होंने क्या क्या रिकॉर्ड नहीं बनवाए। नेहरू ने आजादी की आधी रात को भाषण दिया था तो मोदी ने भी आधी रात को संसद का सत्र बुला कर जीएसटी कानून लागू कराया था। ‘एक देश, एक कानून’ का ढिंढोरा पीटा गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि देश अब भी कई तरह के टैक्स से जूझ रहा है। गुजरात का मुख्यमंत्री रहते जीएसटी का विरोध करने वाले मोदी ने जिस धूमधाम से जीएसटी लागू किया वह हैरान करने वाला था। नोटबंदी के तुरंत बाद लागू किए गए जीएसटी ने देश के छोटे व मझोले उद्यम के इकोसिस्टम को तबाह कर दिया। फिर भी नोटबंदी भी उपलब्धि है और जीएसटी भी उपलब्धि है। लोग कहेंगे कि अब मोदीजी नोटबंदी पर नहीं बोलते हैं। उनको बोलने की जरुरत नहीं है। अभी एक भव्य बजट की फिल्म बनवा कर दिखाया गया है कि नोटबंदी का देश को कितना फायदा मिला। एक देश, एक टैक्स की तरह प्रधानमंत्री को एक देश, एक कुछ भी करने का जुनून है। तभी एक देश, एक परीक्षा के लिए एनटीए का गठन किया गया। देश के इतिहास में इतना नाकारा कोई संगठन आज तक नहीं बना है। आए दिन पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, धांधली आदि की खबरें आती हैं। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी परीक्षा मेडिकल में दाखिले की नीट यूजी परीक्षा होती है। पिछली तीन परीक्षाओं में से दो में पेपर लीक हो गए और परीक्षा केंद्रों पर धांधली हुई। इसके बाद भी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कराने के लिए छात्रों को 35 दिन दिल्ली में धरना देना पड़ा। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। भाई साहेब लोगों के आगे पीछे घूमने वाले फिसड्डी लोगों को नियुक्त किया जा रहा है। सारे रिसर्च सेंटर भी ऐसे ही चल रहे हैं। खुद नीति आयोग ने कहा है कि देश के 15 से 29 साल के युवाओं में से 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न पढ़ रहे हैं, न किसी कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं और न कोई काम कर रहे हैं। सोचें, लगभग नौ करोड़ लोग ऐसे हैं, जो कुछ नहीं कर रहे हैं।

यह शिक्षा और कौशल विकास योजना की उपलब्धि है! अब एक देश, एक चुनाव की तैयारी चल रही है। अगर प्रचार के लिए उपलब्धियों की बात करें तो उसकी सूची इतनी लंबी है कि कई पन्ने कम पड़ जाएंगे। एक बड़ी उपलब्धि आधार है, जिसका मुख्यमंत्री रहते मोदी ने विरोध किया था। प्रधानमंत्री बने तो आधार को हर चीज के लिए अनिवार्य किया गया। अब पता चला है कि आधार किसी काम का नहीं है। सोचें, एक समय पूरा देश अपने बैंक खाते आधार से जोड़ रहा था, वोटर आईडी आधार से जोड़ रहा था, पैन कार्ड को आधार से जोड़ रहा था और बाद में पता चला कि इनमें से किसी दस्तावेज का कोई खास मतलब नहीं है। देश का नागरिक अदालत में 16 दस्तावेज पेश करके भी अपने को नागरिक नहीं प्रमाणित कर पा रहा है।

लाल किले से पहले भाषण में प्रधानमंत्री ने सफाई और शौचालय की बात की। बहुत अच्छी बात थी। लेकिन अब कोई बात नहीं करता है। भारत दुनिया के सबसे गंदे शहरों वाला देश है। दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों की बात होती है तो नौ भारत के होते हैं। लाल किले से पहले भाषण में जैम यानी जन धन खाता, आधार और मोबाइल की बात की और उसके जरिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की योजना चली। क्या उससे देश के लोगों का सशक्तीकरण हुआ? आधार, मोबाइल और जन धन खाता सिर्फ सरकारों की ओर से मिलने वाली मुफ्त की रेवड़ी के ट्रांसफर का माध्यम बना। खाता खुलने से न लोगों का बिजनेस चलने लगा और न नौकरी मिली। लेकिन इसका प्रचार होता है कि डीबीटी के जरिए कितने लाख करोड़ रुपए की बचत हो गई। एक तरफ डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल से लाखों करोड़ रुपए बचाने की बात होती है और दूसरी ओर यूपीआई के इस्तेमाल पर शुल्क लगाने की बात कही जाती है। ऐसे ही विरोधाभासों में सरकार काम कर रही है। उपलब्धियों के प्रचार में गिनाया जाता है कि सरकार ने फसल बीमा योजना लागू किया है, जिस पर कितने लाख करोड़ खर्च हुए हैं। हकीकत यह है कि लाखों की संख्या में किसान अब फसल बीमा योजना से बाहर निकल रहे हैं क्योंकि इससे उनको कोई फायदा नहीं हो रहा है। पूरे देश में 73 लाख किसान इस योजना से बाहर हो गए हैं, जिनमें से 37 लाख अकेले महाराष्ट्र के हैं।

आयुष्मान भारत योजना से मुफ्त इलाज की बात हो रही है लेकिन वास्तविकता यह है कि आम लोगों की बजाय निजी अस्पताल और बीमा कंपनियां इसका लाभ ले रही हैं। ये दोनों बीमा योजनाएं विफलता का स्मारक हैं। यह वैसा ही है, जैसे लोगों ने नदी पर पुल बनाने को कहा तो सरकार ने उन्हें नदी पार करने के लिए नाव पकड़ा दी और कहा कि नाव वाले का किराया सरकार देगी। लोगों को अच्छे अस्पताल चाहिए, अच्छे डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ चाहिए। उन्हें सस्ती व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा चाहिए तो सरकार बीमा योजना पकड़ा रही है। किसानों को फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य या एक निश्चित आय़ चाहिए तो सरकार बीमा योजना दे रही है। वैसे 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा था मोदी का। उलटे किसानों की खेती की लागत कई गुना बढ़ गई। उपलब्धियों के प्रचार में बताया जाता है कि पहले 74 हवाईअड्डे थे और अब 166 हो गए हैं। यह नही बताया जाता है कि उनमें से कितने बंद हो गए और कितने नाम के लिए चल रहे हैं। यह भी नहीं बताया जाता है कि पहले से चल रह मुनाफा कमाने वाले कितने हवाईअड्डे निजी कंपनियों और खास कर अडानी की कंपनी को दे दिए गए। प्रचार में बताया जाता है कि पहले 11 किलोमीटर हाईवे रोज बनते थे और आज उससे तीन गुना यानी 33 किलोमीटर सड़क बन रही है। लेकिन यह नहीं बताया जाता है कि किलोमीटर मापने का पैमाना बदल दिया गया है। यह भी नहीं बताया जाता है कि कितने हाईवे नीलाम कर दिए गए और लोगों से कितने लाख करोड़ रुपए टोल टैक्स के नाम पर वसूले जा रहे हैं। गाड़ी खरीदने पर जीएसटी से लेकर रजिस्ट्रेशन, रोड टैक्स, ईंधन पर टैक्स और सेस से लेकर टोल टैक्स तक एक गाड़ी वाला पांच जगह टैक्स देता है। प्रचार के लिए बताया जाता है कि भारत विश्वगुरू हो गया है और दुनिया अब भारत की बात गंभीरता से सुनती है। वास्तविकता यह है कि दुनिया छोड़िए भारत अपने पड़ोस में ही बेगाना हो गया है। एक भी देश भारत का दोस्त नहीं रहा। पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार और मालदीव सीधे चीन के दोस्त बन गए हैं और उसके हिसाब से अपनी सामरिक व विदेश नीति तय कर रहे हैं। बांग्लादेश, नेपाल और मालदीव तीनों के प्रधानमंत्रियों ने परंपरा तोड़ कर पहला दौरा चीन का किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दोस्ती के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने क्या कुछ नहीं किया लेकिन टैरिफ से लेकर अवैध प्रवासियों को देश से निकालने और वीजा रोकने तक ट्रंप की नीतियों से सबसे ज्यादा नुकसान भारत उठा रहा है।

छत्तीसगढ़ में नीतिगत बदलावों से विकास को मिली नई रफ्तार

धनंजय राठौर

-किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं से लेकर उद्योगों, शिक्षा, बस्तर और सुशासन तक हो रहा बड़े फैसलों का असर

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए बड़े नीतिगत सुधारों और जनकल्याणकारी फैसलों ने राज्य के समग्र विकास को एक नई दिशा दी है। प्रशासनिक पारदर्शिता, सुशासन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों से हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष से ज्यादा केवल योजनाओं और घोषणाओं को जमीनी स्तर पर उतारने के ही नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों में व्यवस्था बदलने वाले फैसलों के रूप में है। सरकार ने एक ओर गरीब, किसान और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारा, वहीं दूसरी ओर उद्योग, शिक्षा, खनिज, डिजिटल गवर्नेंस और बस्तर के विकास में लंबे समय तक असर डालने वाले नीतिगत सुधार शुरू किए। सरकार बनने के तुरंत बाद सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री आवास को लेकर हुआ। पहली कैबिनेट में ही 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों के आवास की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में अब तक 24.40 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। प्रदेश में औसतन करीब 1,600 आवास प्रतिदिन पूरे किए जा रहे हैं। ढाई वर्षों में पुराने और नए स्वीकृत आवास मिलाकर 11 लाख से अधिक घर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं। इसी तरह सरकार ने धान खरीदी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बनाया। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान बेचने की सुविधा दी गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25.24 लाख किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना को मिलाकर किसानों को

लगभग 43,723 करोड़ रुपए की राशि दी गई। खरीदी व्यवस्था में ऑनलाइन टोकन, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसे सुधार किसानों के लिए काफी सुविधाजनक रहे। महिला सशक्तिकरण साय सरकार की प्रमुख पहचान के रूप में उभरा है। महतारी वंदन योजना की 31 किस्तों में लगभग 68 लाख पात्र महिलाओं को 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे खातों में दी जा चुकी है। प्रदेश में 13.85 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहान मिशन में प्रदेश के 31 लाख से अधिक गरीब परिवारों की महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हैं। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संपत्ति की रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क में एक प्रतिशत की रियायत दी गई है। बस्तर में बदलाव सरकार की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। नक्सलवाद दशकों से बस्तर के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद के विरूद्ध निर्णायक जीत हासिल हुई है। बस्तर में सुरक्षा कार्रवाई के साथ विकास और योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने की नीति अपनाई गई, जिससे बस्तर के लोगों का भरोसा सरकार पर मजबूत हुआ। 'नियद नेल्ला नार 2.0' और 'बस्तर मुन्ने अभियान' के जरिए विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। ओरछा और जगरगुंडा जैसे सुदूर क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है। बस्तर में लगभग 10 लाख परिवारों की आय बढ़ाने के लिए 4,824 करोड़ रुपए की 'आजीविका उत्थान योजना' तैयार की गई है। बस्तर के जंगलों में मौजूद सुरक्षा कैंप अब दूरदराज के गांव वालों के लिए सेवा और विकास के केंद्र बन रहे हैं। दूरस्थ गांवों में सार्वजनिक परिवहन के लिए 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा' शुरू की गई है। बस्तर में सड़क, पुल, मोबाइल नेटवर्क, उचित मूल्य दुकान, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत 34 लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार किया गया है। सरकार का जोर अब बस्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर शिक्षा, पर्यटन, आजीविका और उद्योगों की नई पहचान देने पर है। उद्योग के क्षेत्र में राज्य में निवेश लाने के साथ उद्योगों की स्थापना की प्रक्रियाओं को आसान पर जोर दिया गया। छत्तीसगढ़ ने 450 से अधिक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार लागू किए हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट 2026 लाने वाला राज्य देश का पहला राज्य बना। जन विश्वास सुधारों के जरिए 279 छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। वन-क्लिक सिंगल विंडो व्यवस्था, सरल भूमि डायवर्जन और रजिस्ट्री के बाद स्वतः नामांतरण जैसे सुधार किए गए हैं। नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के तहत 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे 1.72लाख से अधिक संभावित रोजगार के अवसर निर्मित होंगे।

लेखक संयुक्त संचालक, जनसंपर्क हैं।

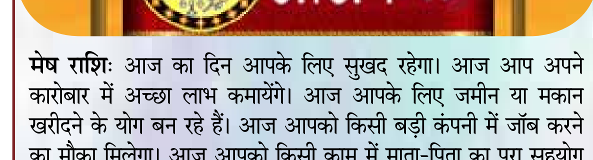

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आप अपने कारोबार में अच्छा लाभ कमायेंगे। आज आपके लिए जमीन या मकान खरीदने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी बड़ी कंपनी में जॉब करने का मौका मिलेगा। आज आपको किसी काम में माता-पिता का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आज किसी की मदद से आपको राजनीति में आकर काम करने का मौका मिलेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन बेहतर रहेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज ऑफिस में आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी , जूनियर भी आपसे इंस्पायर होंगे। आज आपका पारिवारिक माहौल शांतिपूर्ण रहेगा, जिससे आपको भी खुशी मिलेगी। आज सामाजिक कार्यों के अंतर्गत आपकी छवि मजबूत बनेगी। आज आप किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं , आगे चलकर आपको अच्छा लाभ होगा। आज पड़ोसी के साथ आपके रिश्तों में सुधार आएगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप व्यापार में अच्छा लाभ कमायेंगे लेकिन खर्च की अधिकता रह सकती है , इसका ध्यान आपको रखना होगा। आज आपको नौकरी में ट्रांसफर से जुड़ी सूचना मिल सकती है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज के दिन की शुरुआत आप नए तरीके से करेंगें , आप अपनी दिनचर्या में हेल्दी फ़ूड शामिल करेंगे। आज बच्चे आपसे अपने मन की बात शेयर कर सकते हैं , आपको उन्हें प्यार से समझाना होगा। यदि आज आप शॉपिंग करने का प्लान बना रहें हैं तो पहले आप सामान की लिस्ट बना लें।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप अपने लिए रोजगार के नए अवसर तलाश करेंगे। आज आप अपने आपको काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल होंगे। आज आप मित्रों की सहायता से आपको आय के अवसर मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमा कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगे। जिससे आपके काम को पहचान मिलेगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप निजी जीवन से जुड़ें कुछ अहम फैसले ले सकते हैं , जिनका असर भविष्य में आपको देखने को मिलेगा। साथ ही आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप बखूबी पूरा करेंगे। आज आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने-फिरने जायेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज इस राशि के ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़े कारोबारियों को अच्छा धन लाभ होगा। आज आप किसी से बात करते समय अपने शब्दों के ऊपर नियंत्रण बनाएं रखें। आज बच्चे आपके काम में हाथ बटायेंगे, ये देखकर आपको खुशी होगी। आज आप किसी काम को पूरे डेडिकेशन के साथ करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप नया कारोबार शुरू करने का मन बना सकते हैं लेकिन साथ ही बड़ों की सलाह लेना उचित रहेगा। इस राशि के लेखक आज अपनी पुस्तक को पब्लिश करवा सकते हैं, जिसे लोगों के द्वारा बहुत पसंद किया जायेगा। आज किसी विषय में ज्यादा न सोचे, वरना आपको उलझन होगी और सेहत पर असर पड़ सकता है।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। आज आप टेक्नोलॉजी का सहारा लेकर किसी काम को जल्द ही कम्पलीट कर लेंगें। आज आप अपना करियर मीडिया के क्षेत्र में बना सकते हैं। इस राशि के प्राइवेट नौकरी में कार्यरत व्यक्तियों को आज प्रमोशन मिलने के योग बन रहें हैं। वैवाहिक जीवन में आपसी लगाव बढ़ेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहेगा। आज आपको धन लाभ के कई बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे , जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज आप अपने पुराने कार्यों को कम्पलीट करके जल्द ही नए कार्यों की योजना बनायेंगे। आज इस राशि के छात्र किसी प्रतियोगी परीक्षा में बैठेंगे , जिसका परिणाम आपके फेवर में रहेगा। आज आप बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल बना रहेगा। आज आप अपने बिजनेस को शिफ्ट करने से पहले उस जगह की अच्छे से जांच पड़ताल कर लें। आज आपका स्वास्थ्य फिट एंड फाइन रहेगा और आपकी सभी उलझने आज समाप्त होंगी। आज आप बच्चों के साथ खेलना पसंद करेंगे , जिससे आपका मन प्रसन्न होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप फैक्ट्री को खोलने का विचार कर सकते हैं, जिसमें आप भाई की सहायता ले सकते हैं। इस राशि के आज फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। आज आपको बिजनेस में ऑनलाइन माध्यम से बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आज आप अपने सपने को सच करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे , जिसमें आपको परिवार का सहयोग मिलेगा।

माता-पिता वृद्धाश्रम में, बच्चे विदेश में, क्या यही है आधुनिक सफ़लता की कीमत?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वृद्धाश्रम बढ़ रहे हैं या परिवारों की संवेदनशीलता घट रही है? बुजुर्गों की जिंदगी के इस कड़वे सच पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, अब राज्यों को बताना होगा जमीन पर क्या हो रहा है

बुजुर्गों के साथ अमानवीय व्यवहार व्यक्तिगत त्रासदियां नहीं हैं; वे समाज की बदलती संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न हैं -क्या आधुनिकता की कीमत अपनी जड़ों को भूल जाना है? क्या आर्थिक सफ़लता का अर्थ उस हाथ को भूल जाना है, जिसने हमें चलना सिखाया था?

वैश्विक स्तरपर किसी भी सभ्य समाज की असली पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों या आर्थिक समृद्धि से नहीं,बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों,कमजोरों और निर्भर लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है।आज दुनियाँ तेजी से बदल रही है।संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवार ले रहे हैं,बच्चे शिक्षा और रोजगार के लिए महानगरों तथा विदेशों में बस रहे हैं और जीवन की भागदौड़ में कहीं माता-पिता की वह भावनात्मक जगह सिकुड़ती जा रही है,जो कभी परिवार की नींव हुआ करती थी।सबसे पीड़ादायक स्थिति तब सामने आती है,जब जिन माता-पिता ने अपनी संतान की शिक्षा, करियर और भविष्य के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया, वही संतान उनके जीवन के अंतिम पड़ाव पर उनसे दूरी बना लेती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, वृद्धाश्रमों की बढ़ती आवश्यकता माता- पिता को अकेला छोड़ देने की घटनाएं और बुजुर्गों के साथ अमानवीय व्यवहार से जुड़े वायरल वीडियो केवल व्यक्तिगत त्रासदियां नहीं हैं; वे समाज की बदलती संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न हैं। क्या आधुनिकता की कीमत अपनी जड़ों को भूल जाना है? क्या आर्थिक सफलता का अर्थ उस हाथ को भूल जाना है, जिसने हमें चलना सिखाया था?इसी व्यापक सामाजिक और संवैधानिक चिंता के बीच 7 सितंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट में बुजुर्गों के अधिकारों से जुड़ी वर्ष 2016 से लंबित जनहित याचिका पर हुई सुनवाई बेहद महत्वपूर्ण बन गई है।अदालत ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से वृद्धाश्रमों तथा वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध सुविधाओं की ताजा स्थिति रिपोर्ट मांगी है।

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट की दस्तकः क्या देश अपने बुजुर्गों के लिए सचमुच तैयार है? इसको समझने की करें तो,7 सितंबर 2026 की सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल थे, ने लंबे समय से लंबित इस मामले को फिर गंभीरता से उठाया। वर्ष 2016 में पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री और वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा दायर जनहित याचिका का मूल प्रश्न केवल वृद्धाश्रमों की संख्या तक सीमित नहीं है; यह उस व्यापक अधिकार से जुड़ा है जिसके तहतप्रत्येक बुजुर्ग को सम्मान,सुरक्षा,आश्रय,स्वास्थ्य सुविधा और गरिमापूर्ण जीवन मिलना चाहिए।अदालत ने अटॉर्नी जनरल को निर्देश दिया कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एडवोकेट जनरल तथा स्टैंडिंग काउंसिल से संपर्क कर वृद्धाश्रमों की स्थापना और वहां उपलब्ध सुविधाओं की ताजा जानकारी जुटाई जाए।राज्यों को संबंधित पत्र मिलने के बाद लगभग चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है।यह निर्देश महज प्रशासनिक औपचारिकता नहीं माना जाना चाहिए। इसके पीछे एक बुनियादी सवाल है,कागजों पर बुजुर्गों के लिए कितनी योजनाएं हैं और जमीन पर वास्तव में उन्हें सटीकता से कितना सहारा मिल रहा है? साथियों, बात अगर हम अनुच्छेद 21बुजुर्गों के लिए सिर्फ जीवन नहीं,गरिमा का जीवन को समझने की करें तो भारतीय संविधान काअनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा करता है। बुजुर्गों के संदर्भ में यह सवाल और भी व्यापक हो जाता है,क्या केवल सांस लेते रहना ही जीवन है, या जीवन का अर्थ सम्मान,सुरक्षा स्वास्थ्य,आश्रय और गरिमा के साथ जीना भी है?वर्ष 2016 की इस जनहित याचिका में इसी व्यापक दृष्टिकोण से बुजुर्गों के लिए आश्रय, पर्याप्त पेंशन, जेरियाट्रिक चिकित्सा देखभाल और स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग उठाई गई है। साथ ही मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ़ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटीजन्स एक्ट , 2007 के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया गया है।इस कानून की धारा 19 में राज्यों द्वारा चरणबद्ध तरीके से प्रत्येक जिले में कम-से-कम एक वृद्धाश्रम स्थापित करने का प्रावधान किया गया है, जिसमें बेसहारा बुजुर्गों के लिए आवास की व्यवस्था हो। इसलिए प्रश्न केवल यह नहीं कि वृद्धाश्रम मौजूद हैं या नहीं। असली प्रश्न यह है कि क्या वे रहने योग्य हैं? क्या वहां पर्याप्त भोजन, स्वच्छता, सुरक्षा,दवाइयां, चिकित्सकीय देखभाल,मानसिक स्वास्थ्य सहायता और और उचित सटीक मानवीय वातावरण उपलब्ध है?

साथियों बात अगर हम वृद्धाश्रमः समाधान या परिवार के विघटन का आईना? इसको समझने की करें तो,वृद्धाश्रम अपने आप में बुराई नहीं हैं।कुछ बुजुर्गों के लिए वे सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का महत्वपूर्ण सहारा हो सकते हैं।अकेले रहने वाले, संतान विहीन अथवा आर्थिक और सामाजिक रूप से असुरक्षित वरिष्ठ नागरिकों के लिए संस्थागत देखभाल आवश्यक भी हो सकती है।लेकिन चिंता तब पैदा होती है,जब वृद्धाश्रम विकल्प से बढ़कर जिम्मेदारी से बचने का साधन बनने लगें।जिस माता ने अपने बच्चे की बीमारी में रातें जागकर बिताईं जिस पिता ने अपनी जरूरतें रोककर बच्चे की फीस भरी, जिस परिवार ने अपनी सीमित आय में भी संतान को बेहतर शिक्षा दिलाने का सपना देखा,यदि वही संतान आर्थिक रूप से सक्षम होने के बाद माता- पिता को भावनात्मक रूप से अकेला छोड़ दे, तो समस्या केवल पारिवारिक नहीं रहती; वह सामाजिक चेतना का प्रश्न बन जाती है।आज महानगरों और विदेशों में बसना अपने आप में गलत नहीं है। बेहतर अवसरों की तलाश स्वाभाविक है। समस्या तब शुरू होती है जब भौगोलिक दूरी भावनात्मक दूरी में बदल जाती है और व्यस्तता जिम्मेदारी से पलायन का बहाना बन जाती है। साथियों बात अगर हम जब अंतिम विदाई भी समय मांगने लगे इसको समझने की करें तो,समाज को विचलित करने वाली वे घटनाएं, जिनमें बुजुर्ग माता-पिता को अकेला छोड़ दिया जाता है या उनकी अंतिम अवस्था में संतान अपनी उपस्थिति तक को बोझ समझती है, हमें भीतर तक झकझोरती हैं।किसी बुजुर्ग पिता का अंतिम संस्कार देखने के लिए भी समय न होना,या किसी बुजुर्ग मां को रात में सड़क पर छोड़कर चले जाने जैसीघटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आना, यदि वास्तव में समाज की बढ़ती प्रवृत्ति का संकेत हैं,तो हमें केवल उन परिवारों को दोष देने से आगे बढ़कर अपने सामाजिक मूल्यों पर भी विचार करना होगा।जिस समाज में वृद्ध माता-पिता की आंखों में अपने ही बच्चों की प्रतीक्षा दिखाई देती हो और बच्चों के पास उनके लिए समय न हो, वहां विकास के आंकड़े अधूरे हैं।

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट ने पूछा,कितने वृद्धाश्रम कितनी पेंशन,कैसी चिकित्सा ? इसको समझने की करें तो, सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता वकील ने अदालत को बताया कि इस मामले में तीन महत्वपूर्ण पहलुओं पर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए,देश में कितने वृद्धाश्रम हैं,बुजुर्गों को कितनी पेंशन मिल रही है और उनके लिए चिकित्सा सुविधाओं की वास्तविक स्थिति क्या है। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि मामला वर्षों से प्रभावी सुनवाई से दूर रहा है।उन्होंने बताया कि अगस्त 2023 में केंद्र की ओर से दाखिल हलफनामे में 15 राज्यों और चार केंद्रशासित प्रदेशों की जानकारी दी गई थी, लेकिन पूरी अद्यतन जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई थी। मुख्य न्यायाधीश ने भी 2022 के बाद मामले के सूचीबद्ध न होने पर सवाल उठाया।यही कारण है कि राज्यों से ताजा रिपोर्ट मांगना महत्वपूर्ण है। इससे पहली बार नहीं, लेकिन एक बार फिर यह जांचने का अवसर मिलेगा कि सरकारी नीतियां और जमीनी वास्तविकता कितनी दूर या कितनी करीब हैं। साथियों बात कर हम मामला हाईकोर्टों को भेजना या देशव्यापी सिद्धांत तय करना? इसको समझने की करें तो,सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से मामले को संबंधित हाईकोर्टों में भेजने का सुझाव भी आया। लेकिन याचिकाकर्ता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि बुजुर्गों के अधिकार पूरे देश से संबंधित समान प्रश्न हैं और सुप्रीम कोर्ट को अपने पहले के निर्देशों के अनुपालन को सुनिश्चित करना चाहिए।मुख्य न्यायाधीश ने संकेत दिया कि सुप्रीम कोर्ट को पहले देशभर के लिए व्यापक संवैधानिक और कानूनी सिद्धांत तय करने चाहिए और उसके बाद उनके स्थानीय क्रियान्वयन की निगरानी हाईकोर्टों के माध्यम से हो सकती है।यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, क्योंकि बुजुर्गों की गरिमा किसी राज्य की सीमा से बंधी हुई नहीं है।माता-पिता का सम्मान राजस्थान महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार या किसी अन्य राज्य में अलग संवैधानिक मूल्य नहीं हो सकता।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ईशान किशन और कौनैन कुरैशी के दम पर ईस्ट जोन ने 13 साल बाद जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब

एजेंसी, चेन्नई

ईस्ट जोन ने गुरुवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में साउथ जोन के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर दलीप ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया। ईस्ट जोन ने 13 साल के इंतजार को खत्म करते हुए तीसरी बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती। टीम ने इससे पहले 2012-13 सत्र में खिताब अपने नाम किया था। फाइनल के आखिरी दिन ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में 388/7 के स्कोर पर पारी घोषित की। मोहम्मद कौनैन कुरैशी ने 190 गेंदों पर नाबाद 116 रन की पारी खेलकर अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक लगाया, जबकि अनुकूल रॉय ने 64 रन बनाए। घोषणा के साथ ही ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन टीम ने खिताबी जीत का जश्न शुरू कर दिया। ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। कप्तान ईशान किशन ने शानदार 270 रन और कुमार कुशाग्र ने 101 रन की पारी खेली थी। किशन ने दूसरी पारी में भी 80 रन बनाए और मैच में कुल 350 रन पूरे किए। ईस्ट जोन की खिताबी जीत में झारखंड के उभरते खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही। कुशाग्र के अलावा शिखर मोहन ने दलीप ट्रॉफी पदार्पण पर 85 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने पिछले घरेलू सत्र में दिखाए गए अच्छे फॉर्म को भी जारी रखा। कुशाग्र, शिखर और किशन की तिकड़ी ने ईस्ट जोन की बल्लेबाजी को मजबूती दी। फाइनल के आखिरी दिन कौनैन कुरैशी और अनुकूल रॉय ने सातवें विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी की। इसी दौरान धीमी ओवर गति के कारण साउथ जोन पर पांच रन की पेनल्टी भी लगाई गई। मैच अधिकारियों और साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा के बीच लंबे समय तक चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया। कुरैशी ने 96वें ओवर में तेज गेंदबाज सीवी मिलिंद की गेंद पर एक्स्ट्रा कवर की दिशा में दो रन लेकर अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के बाद उन्होंने हेलमेट उतारकर हाथ उठाए, जबकि टीम के खिलाड़ियों ने बालकनी से खड़े होकर उनका स्वागत किया। अगले ही ओवर में उन्होंने त्रिपुराना विजय की गेंदों पर मिडविकेट और लॉन्ग ऑन के ऊपर लगातार दो छक्के जड़ दिए। दूसरे छोर पर अनुकूल रॉय ने 89वें ओवर में शेख रशीद की गेंद को प्वाइंट के रास्ते भेजकर एक रन लिया और अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, इसके बाद उनकी पारी 64 रन पर समाप्त हो गई। वह एमडी नधीश की गेंद पर ढीला शॉट खेलने के प्रयास में स्लिप में देवदत्त पडिक्कल के हाथों कैच आउट हुए। 100वें ओवर की दूसरी गेंद पर कुरैशी ने मिलिंद की गेंद को मिड ऑन की ओर खेला।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 और एशियाई खेलों के लिए यश ठाकुर भारतीय टीम में शामिल, चोटिल हर्षित राणा बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

विदर्भ के तेज गेंदबाज यश ठाकुर को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज और आगामी एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यश ने चोटिल हर्षित राणा की जगह ली है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज 13 सितंबर से शुरू होगी। 27 वर्षीय यश ठाकुर का यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय टी-20 सीरीज होगा। उन्होंने जुलाई में जिम्बाब्वे दौरे पर भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने दो मैचों में चार विकेट हासिल किए थे। यश को पिछले साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्होंने सात मैचों में 18 विकेट लिए थे। इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे पर दो मैचों में चार विकेट लेने के साथ उनका इकॉनमी रेट 9.37 रहा था। तेज गेंदबाज यश ठाकुर बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन के दौरान अच्छी प्रगति कर रहे थे। हालांकि, 7 सितंबर को मैच सिमुलेशन के दौरान गेंदबाजी करते समय उनकी रेक्टस फेमोरिस मांसपेशी में खिंचाव आ गया, जिसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। यश ने अब तक 50 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच खेले हैं, जिसमें उनके नाम 81 विकेट हैं। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट 7.04 रहा है। अफगानिस्तान टी-20 और एशियाई खेलों के लिए अपडेट की गई भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर और जसप्रीत बुमराह को भी फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद शामिल किया गया है। भारत एशियाई खेलों से पहले जापान के खिलाफ एक ऐतिहासिक एकमात्र टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेलेगा। अफगानिस्तान टी-20 और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन, ईशान किशन, तिलक वर्मा (उपकप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और यश ठाकुर।

6 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी करेंगे पांड्या!

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि अनुभवी ऑलरांउडर हार्दिक पांड्या अगल माह 6 अक्टूबर से खेल में वापस करेंगे। बीसीसीआई के अनुसार पंड्या अगर फिट हुए तो 6 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में इंडिया ए टीम की ओर से उतरेंगे। पांड्या फिट नहीं होने के कारण लंबे समय से टीम से बाहर हैं, ऐसे में उनकी वापसी की अटकलों से प्रशंसकों में उत्साह की लहर दौड़ गयी है। बोर्ड ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा की थी। इसमें पांड्या का नाम भी शामिल था। गौरतलब है कि पांड्या ने साल 2018 के बाद से ही कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। पिछले आठ साल में सफेद गेंद क्रिकेट में उन्होंने अपने को विश्व के शीर्ष तेज-गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में साबित किया है पर लगातार चोटिल होने के कारण वह टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। टी20 विश्व कप के बाद से टीम से बाहर हैं। कुछ दिन पहले ही बताया गया था कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) उन्हें फिटनेस क्लीयरेंस देने के करीब है पर तभी अचानक एक और बुरी खबर आई कि ट्रेनिंग के दौरान उन्हें फिर से पैर में चोट लग गई थी। इसी वजह से उन्हें अफगानिस्तान सीरीज से बाहर कर दिया गय। अब ऑस्ट्रेलिया ए सीरीज में शामिल किये जाने पर उनकी उम्मीदें टिकी हैं।

टी20 के विस्तार से एकदिवसीय प्रारुप खतरे में पड़ा : पोंटिंग

एजेंसी, सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि जिस प्रकार से दुनिया भर में टी20 लीग का दबदबा बढ़ रहा है उससे एकदिवसीय क्रिकेट का अस्तित्व खतरे में आ गया है। पोंटिंग के अनुसार इन लीगों के बढ़ने से अब एकदिवसीय मुकाबलों के प्रति आकर्षण घट रहा है। जिससे अधिक से अधिक क्रिकेटर अब टी20 प्रारुप में ही खेलना चाहते हैं। उनका मानना है कि इन लीगों का इसी प्रकार से विस्तार होता रहा तो क्रिकेट कैलेंडर से 50 ओवर का प्रारूप धीरे-धीरे अपनी जगह खो सकता है। पोंटिंग को आशंका है कि आने वाले वर्षों में जैसे-जैसे अधिक टी20 लीग उभरेंगी, एकदिवसीय क्रिकेट कम से कम खेला जाएगा। पोंटिंग ने कहा, जैसे-जैसे महीने और साल बीतेंगे और दुनिया भर में अधिक से अधिक टी20 क्रिकेट खेला जाएगा तथा अधिक फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट शुरू होंगे, वैसे-वैसे 50 ओवर के टूर्नामेंट कम हो जाएंगी। विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस फ्रेंचाइजी के सह-मालिक पोंटिंग का यह बयान खेल के पारंपरिक प्रारूपों के भविष्य को लेकर बढ़ती चिंता को दिखाता है। हालांकि, पोंटिंग का मानना है कि जब तक भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और शायद दक्षिण अफ्रीका जैसे बड़े चार प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देश टेस्ट क्रिकेट में निवेश करते रहेंगे, तब तक यह प्रारूप बना रहेगा।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में रोहित हैं सबसे कम गेंदों में शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज

एजेंसी, मुम्बई

पिछले कुछ साल में दुनिया भर में टी20 क्रिकेट तेजी से बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ ही टी20 लीग भी दुनिया भर में खेली जा रही हैं। इसमें कई क्रिकेटरों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। भारतीय बल्लेबाजों ने भी टी20 प्रारुप में अपने प्रदर्शन से कई रिकार्ड बनाये हैं। आज जहां उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा अपनी तूफानी बल्लेबाजी के कारण इस प्रारुप में स्टार बनकर उभरे है। इसके बाद भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम गेंदों में शतक का रिकार्ड भारत की ओर से आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के नाम है। हिटमैन के नाम से लोकप्रिय रोहित ने केवल मात्र 35 गेंदों में यह शतक लगाया था। रोहित ने ये शतक साल 2017 में श्रीलंका के खिलाफ इंदौर में लगाया था जो आज तक नहीं टूटा है। उस मुकाबले में उन्होंने श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर पिटाई करते हुए सिर्फ 35 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया था। यह पूर्ण कालिक सदस्य देशों के खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए टी20 अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे तेज शतक है। उनसे पहले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और न्यूजीलैंड के फिन एलन ने 33-33 गेंदों में शतक लगाये थे। रोहित ने अपनी उस पारी में कुल 43 गेंदों का सामना करते हुए 118 रन बनाए थे, जिसमें 12 शानदार चौके और 10 छक्के शामिल थे।

बिजनेस

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,060 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है।

भाव में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिलने की वजह से घरेलू शेयर बाजार भी आज दबाव में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया। शेयरों की बिक्री होने की वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 21.69 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 74,742.54 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही यह सूचकांक उछल कर 74,910.96 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। शेयरों की लगातार हो रही बिक्री के कारण इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया।

बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 68.42 अंक यानी 0.09 प्रतिशत लुढ़क कर 74,695.81 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 15.10 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 23,446.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 23,494.95 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि तेजी का यह दौर अधिक देर तक टिक नहीं सका। पहले 5 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 11.80 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,419.70 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,935 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,705 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,230 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 18 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

प्याज ने किचन का बजट बिगाड़ा, खुदरा बाजार में भाव 70 रुपये प्रति किलो

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में बारिश एवं त्योहारी मांग ने आम आदमी की थाली का स्वाद और बजट दोनों बिगाड़ दिया है। रसोई की धुरी माने जाने वाला प्याज अब चीनी को टक्कर दे रहा है। दिल्ली-एनसीआर में 40 रुपये प्रति किलो बिकने वाला प्याज का खुदरा भाव 65 से 70 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है, जबकि खुदरा बाजार में चीनी 70 रुपये प्रति किलो बिक रही है। हालांकि, सरकार प्याज और चीनी के दाम कम होने और आपूर्ति बढाने का दावा कर रही है। एशिया की सबसे बड़ी थोक फल और सब्जी की मंडी आजादपुर के प्याज एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने गुरुवार को हिन्दुस्थान समाचार को दी जानकारी में बताया कि मंडी में आज प्याज थोक में 35 रुपये से 50 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिका है। उन्होंने कहा कि प्याज के आवक में फिलहाल कोई दिक्कत नहीं है। शर्मा ने बातचीत में बताया कि मंडी में प्याज 25 रुपये से लेकर 50 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर 35 रुपये 40 रुपये वाला प्याज आप खुदरा बाजार में खरीदते है, जबकि 50 रुपये प्रति किलो थोक बाजार में बिकने वाला प्याज होटलों में सप्लाई होता है। देश के कई हिस्सों में सब्जियों के दाम तेजी से बढ़ने लगे हैं। मानसून की शुरुआत में देरी और कमजोर बारिश के कारण सब्जियों के उत्पादन पर भी असर पड़ा। वहीं, मानसून के चौथे दौर में हो रही भारी बारिश ने मंडियों तक सब्जियों की सप्लाई को भी प्रभावित किया है। मांग के मुकाबले आपूर्ति कम होने का सीधा असर अब आम आदमी की रसोई के साथ बजट पर दिखाई दे रहा है। इस बीच केंद्र सरकार बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए अपने बफर स्टॉक से देश के चुनिंदा शहरों में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज बेचने का दावा तो कर रही है, लेकिन दिल्ली-एनसीआर के ज्यादातर इलाको में इस प्याज की सप्लाई और बिक्री देखने को नहीं मिली है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली । ईरान और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ रहे तनाव और कच्चे तेल की कीमत में हुई बढ़ोतरी की वजह से ग्लोबल मार्केट में आज भी चौतरफा दबाव बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज गिरावट का रुख बना हुआ है। पश्चिम एशिया के तनाव और ईरान द्वारा अमेरिकी ठिकानों पर और तेज हमला करने की चेतावनी देने के बाद अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान घबराहट का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 400 अंक की गिरावट का शिकार हो गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,636.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 168.07 अंक यानी 0.64 प्रतिशत टूट कर 26,253.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 197.67 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,578.33 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 141.60 अंक यानी 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,670.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

हीरो मोटर्स का आईपीओ 16 सितंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 79-84 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

वाहन कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी हीरो मोटर्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 16 सितंबर को खुलेगा। इसमें निवेश के लिए निवेशक 18 सितंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 79–84 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इसके शेयरों की लिस्टिंग 23 सितंबर को शेयर बाजार में होने की संभावना है। हीरो मोटर्स लिमिटेड ने कहा कि एक हजार करोड़ रुपये के इस आईपीओ में 600 करोड़ रुपये के नए शेयर और लगभग 400 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण शामिल होगा। नए शेयर जारी करने से प्राप्त राशि में से 190 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कुछ बकाया कर्ज के भुगतान या पूर्व भुगतान में किया जाएगा। 200 करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर स्थित कंपनी की इकाई में क्षमता विस्तार के लिए जरूरी उपकरण खरीदने में लगाए जाएंगे। शेष राशि का रणनीतिक पहलों और सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए रखी जाएगी। कंपनी के अनुसार 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 178 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 178 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। यह कंपनी भारत की प्रमुख ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी कंपनियों में से एक है, जो अमेरिका, यूरोप, भारत और आसियान क्षेत्र में ऑटोमोटिव ओरिजिनल उपकरण निर्माता (ओईएम) के लिए हाई-इंजीनियर्ड पावरट्रेन समाधानों को डिजाइन, विकसित, निर्मित और सप्लाई करती है।

दृश्यमः द कन्क्लूज़न का ट्रेलर हुआ रिलीज
अब नहीं बचेगा विजय सलगांवकर?
बड़ा वकील और क्राइम ब्रांच ने बिछाया जाल

अजय देवगन की मोस्ट अवेटेड थ्रिलर-क्राइम फिल्म दृश्यमः द कन्क्लूजन का बेहद शानदार और एक्साइमेंट बढ़ाने वाला ट्रेलर रिलीज हो चुका है. जिन थ्रिलर-सस्पेंस-क्राइम फिल्मों के शौकीनों को फिल्म के तीसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार है, उनके लिए यह ट्रेलर बहुत बेचैनी पैदा करने वाला है. दृश्यमः द कन्क्लूजन का ट्रेलर शुरू से लेकर अंत तक आपकी नजर स्क्रीन से हटने नहीं देगा. इस बार अजय देवगन की फिल्म में प्रकाश राज और जयदीप अहलावत जबरदस्त माहौल सेट करने वाले हैं. इसका सबूत ट्रेलर में देखने को मिल गया है. ट्रेलर ने ऐसे-ऐसे सीन क्लैश दिखाए हैं, जो अब दर्शकों को 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में जाने को मजबूर कर सकते हैं. अजय इस बार अपने विजय सलगांवकर के रोल में और भी ज्यादा इंटेंस रोल में दिखने वाले हैं. चलिए देखते हैं आखिर क्या है दृश्यमः द कन्क्लूजन के ट्रेलर में खास? दृश्यमः द कन्क्लूजन के ट्रेलर की शुरुआत ही दमदार है और अंत एपिक कन्क्लूजन का वादा करके खत्म होता है. 2.49 मिनट के ट्रेलर की शुरुआत तब्बू और सौरभ शुक्ला की बातचीत से होती है, जो विजय सलगांवकर (अजय देवगन) की सीक्वल की कहानी से जुड़ी है. अगले सीन में विजय की फैमिली के फ्लैश बैक सीन दिखते हैं, जिसमें वे आईजी मीरा देशमुख (तब्बू) के बेटे को मार रहे हैं. फिर कहानी न्याय से बदले की आग की ओर मुड़ती है, जिसमें तब्बू कहती हैं कि उन्हें अब न्याय नहीं बल्कि बदला चाहिए.

इसके बाद जबरदस्त डायलॉग के साथ प्रकाश राज की बतौर वकील ट्रेलर में एंट्री होती है. वह विजय के बारे में कहते हैं, वो अनपढ़ है, बेवकूफ नहीं और इसे हल्के में लेने की गलती मैं नहीं करूंगा. प्रकाश राज का यह सीन देखते ही बनता है. फिर एंट्री होती है गायतोंडे की, जो विजय की जान के पीछे हाथ धोकर पड़ा है. लेकिन ट्रेलर में इससे भी ज्यादा दिलचस्पी उस वक्त बढ़ जाती है, जब जयदीप अहालवत बतौर क्राइम ब्रांच एसपी राजवीर सिंह के रोल में एंट्री लेते हैं. राजवीर अपने अंदाज में विजय के साथ दिल में हलचल मचा देने वाला गेम खेलता है. फिर विजय और राजवीर के बीच जुबानी जंग होती है, जो रोंगटे खड़े कर देने वाली है. कहना गलत नहीं होगा कि अब मीरा देशमुख ने विजय को हवालात में डालने के लिए क्राइम ब्रांच की पूरी फौज और सीनियर वकील का जाल बिछा दिया है. मगर देखना होगा कि क्या फाइनल पार्ट में विजय सलाखों के पीछे होगा या यह अनपढ़ फिर अपने दिमाग से सबको चारों कोने चित कर देगा? अभिषेक पाठक ने दृश्यमः द कन्क्लुजन का निर्देशन किया है. इसकी कहानी अभिषेक पाठक ने आमील के. खान, रजत कपूर और परवेज शेख के साथ मिलकर लिखी है. फिल्म की अहम स्टारकास्ट में अजय के अलावा श्रेया सरन, तब्बू, प्रकाश राज, रजत कपूर और जयदीप अहलावत शामिल हैं. दृश्यम फ्रेंचाइजी में प्रकाश राज और जयदीप अहलावत फ्रैश एंट्री है.

लस्ट स्टोरीज 3 का ट्रेलर हुआ जारी
इश्क-तड़प और अनकही ख्वाहिशों से भरपूर कहानी

बहुचर्चित फिल्म श्रृंखला 'लस्ट स्टोरीज़ के तीसरे भाग का ट्रेलर आखिरकार जारी कर दिया गया है। नेटफ्लिक्स की इस चर्चित कहानी श्रृंखला का नया अध्याय प्यार, इच्छा, अंतरंगता और जटिल रिश्तों के इर्द-गिर्द बुनी गई चार अलग-अलग कहानियों को सामने लाता है। अंतरराष्ट्रीय एमी पुरस्कार के लिए नामांकित रह चुकी इस कहानी श्रृंखला में इस बार विक्रमादित्य मोटवाने, किरण राव, शकुन बत्रा और विशाल भारद्वाज निर्देशन करते नजर आएंगे। ट्रेलर में रिश्तों की भावनात्मक जटिलता के साथ आकर्षण, कमजोरियां, विवाह, आपसी टकराव और ऐसी इच्छाओं को दिखाया गया है, जिन्हें किरदार लंबे समय तक छिपा नहीं पाते। चारों कहानियां अपने अलग अंदाज और दृष्टिकोण के साथ रिश्तों के कई अनदेखे पहलुओं को सामने लाने का प्रयास करती हैं। 'लस्ट स्टोरीज़ 3 में राधिका आप्टे, कोंकणा सेन शर्मा, विजय वर्मा, अभिषेक बनर्जी, अली फज़ल, राधिका मदान, अदिति राव हैदरी, सिद्धार्थ, गुरफतेह पीरजादा और सना थम्पी जैसे जाने-माने कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे। ट्रेलर में अलग-अलग रिश्तों और परिस्थितियों के बीच फंसे किरदारों की कहानी दिखाई गई है। कहीं आकर्षण और भावनात्मक जुड़ाव है तो कहीं विवाह और रिश्तों के भीतर पैदा होने वाला तनाव कहानी को आगे बढ़ाता है। कुछ स्थितियां हास्य पैदा करती हैं, जबकि कुछ पल दर्शकों को असहज और भावनात्मक रूप से प्रभावित करने वाले नजर आते हैं। 'लस्ट स्टोरीज़ 3 की खासियत इसका कहानी-संग्रह प्रारूप है। इसमें चार अलग-अलग फिल्मकार अंतरंग रिश्तों और मानवीय भावनाओं को अपने-अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत कर रहे हैं। विक्रमादित्य मोटवाने की कहानी में राधिका आप्टे और कोंकणा सेन शर्मा नजर आएंगी। वहीं, शकुन बत्रा ने अली फज़ल और राधिका मदान को लेकर कहानी तैयार की है। विशाल भारद्वाज के खंड में सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी की जोड़ी दिखाई देगी। वहीं, किरण राव ने गुरफतेह पीरजादा और सना थम्पी को अपनी कहानी का हिस्सा बनाया है। इस तरह चारों निर्देशकों की अलग शैली और कलाकारों की विविध जोड़ी श्रृंखला के नए भाग को अलग-अलग रंग देती नजर आ रही है। ट्रेलर में गंभीर रिश्तों और भावनात्मक टकराव के बीच हास्य तथा अजीब परिस्थितियों को भी जगह दी गई है। कलाकारों के बीच की रसायनात्मक संगति और संवाद कहानी को रोचक बनाने का संकेत देते हैं। फिल्म की चारों कहानियां रिश्तों के ऐसे पहलुओं को छूती दिखाई देती हैं, जहां इच्छाएं, भावनाएं और सामाजिक अपेक्षाएं एक-दूसरे से टकराती हैं। यही टकराव कहानी में तनाव पैदा करता है और दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाता है।

नानी की 'द पैराडाइज़ की प्री-सेल्स ने मचाई धूम, चार घंटे में पार किया एक लाख डॉलर का आंकड़ा

अपनी स्वाभाविक और यथार्थवादी अदाकारी के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता नानी जल्द ही अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द पैराडाइज़ के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। निर्देशक श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी यह फिल्म 24 सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में बड़े स्तर पर प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म की रिलीज से पहले ही विदेशों में इसकी लोकप्रियता और कारोबार को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म की उत्तर अमेरिकी बाजार में अग्रिम टिकट बिक्री ने शुरुआती दौर में ही मजबूत प्रदर्शन किया है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 'द पैराडाइज़ ने सिनेमार्क के माध्यम से महज चार घंटे में एक लाख अमेरिकी डॉलर की अग्रिम बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया। इसके साथ ही यह इस मंच पर इतनी तेजी से इस आंकड़े तक पहुंचने वाली तेलुगु फिल्मों में सबसे आगे निकल गई है। 'द पैराडाइज़ को उत्तर अमेरिका में प्रत्यंगिरा सिनेमाज द्वारा वितरित किया जा रहा है। फिल्म का अमेरिका में पहला प्रदर्शन 23 सितंबर 2026 को होगा, जबकि भारत समेत दुनियाभर में यह 24 सितंबर को सिनेमाघरों में पहुंचेगी। अग्रिम टिकट बिक्री में मिली शुरुआती सफलता ने फिल्म के विदेशों में कारोबार को लेकर उम्मीदें बढ़ा दी हैं। फिल्म के बड़े कलाकारों और इसके व्यापक स्तर पर तैयार किए जाने के कारण कारोबार विश्लेषकों को उत्तर अमेरिकी और अन्य विदेशी बाजारों में इसके अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। फिल्म में नानी के साथ कायादु लोहार मुख्य महिला भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा मोहन बाबू, राघव जुयाल, सोनाली कुलकर्णी, बाबू मोहन और संपूर्णेश बाबू भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर ने संभाली है। नानी और श्रीकांत ओडेला की जोड़ी से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। दोनों इससे पहले भी साथ काम कर चुके हैं और इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है।

फिल्म की अग्रिम टिकट बिक्री से मिले शुरुआती संकेतों ने इसके विदेशों में संभावित कारोबार को लेकर चर्चा तेज कर दी है। खासतौर पर उत्तर अमेरिका में महज चार घंटे में एक लाख डॉलर का आंकड़ा पार करना निर्माताओं के लिए उत्साहजनक माना जा रहा है। बड़े कलाकारों, चर्चित निर्देशक और अनिरुद्ध रविचंदर के संगीत के साथ तैयार हुई 'द पैराडाइज़ को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने की तैयारी है। अब निगाहें 23 सितंबर को अमेरिका में होने वाले पहले प्रदर्शन और 24 सितंबर को दुनियाभर में फिल्म की रिलीज पर टिकी हैं।

समाज सेवा को लेकर पूनम चर्चा में

अभिनेत्री पूनम पांडे अपने एक बयान की वजह से एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने तर्क दिया कि आज के समय में अधिकांश पुरुष मानसिक तनाव और हताशा से परेशान हैं, ऐसे में अगर उनके बोल्ड वीडियो या गाने उन्हें थोड़ी देर के लिए भी सुकून या राहत पहुंचाते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है। इतना ही नहीं, उन्होंने पुरुषों का तनाव कम करने वाले अपने इस तरह कंटेंट को समाज सेवा तक करार दिया। एक पॉडकास्ट के अनुसार पूनम पांडे ने अपने एडल्ट कंटेंट को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने अपने काम को सही ठहराते हुए कहा कि वह जो करती हैं, उसे वह एक तरह की सोशल सर्विस मानती हैं। पूनम के मुताबिक, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बड़ी संख्या में लोग तनाव और मानसिक दबाव से गुजर रहे हैं, खासकर पुरुषों में स्ट्रेस काफी बढ़ गया है। एक्ट्रेस ने कहा कि अगर उनके किसी वीडियो को देखने के बाद किसी व्यक्ति का तनाव कम होता है या उसे कुछ देर के लिए सुकून महसूस होता है, तो इसमें गलत क्या है।

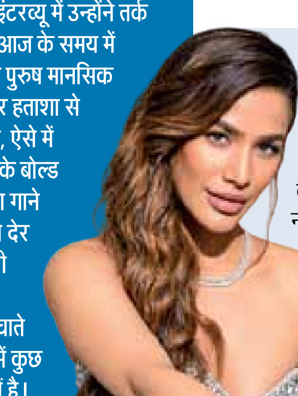

स्मृति ईरानी ने सुनाया संघर्ष का किस्सा

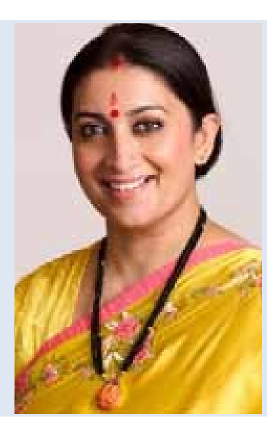

टीवी और राजनीति के क्षेत्र में अपना नाम बनाने वाली स्मृति ईरानी का सफर कुछ आसान नहीं था। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने बहुत परेशानियों का सामना किया। इतना ही नहीं उन्हें एक्ट्रेस बनने के लिए अपने पापा से भी मार खानी पड़ी। क्योंकि सास भी कभी बहू थी जैसे हिट सीरियल से अपनी पहचान बनाने वाली स्मृति ईरानी ने काफी सालों बाद अपने जीवन से जुड़ी कुछ पुरानी यादें शेयर की हैं, जो उन्होंने शायद ही पहले किसी से की हों। उन्होंने बताया कि मॉडल बनने के लिए उन्हें अपने परिवार के खिलाफ जाना पड़ा था, लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। आज के समय में उन्होंने टीवी इंडस्ट्री से लेकर राजनीति में खूब नाम कमाया है। स्मृति ईरानी हाल ही में एक पॉडकास्ट में पहुंची और वहां जाकर उन्होंने बताया कि शादी से पहले उनका नाम स्मृति मल्होत्रा था। उन्होंने बताया कि उनका बचपन ऐसे परिवार में बीता, जहां लड़कियों से उम्मीद की जाती थी कि वे परिवार की जिम्मेदारियों और घरवालों की सोच को ध्यान में रखते हुए ही अपने करियर से जुड़े फैसले लें। इसके बाद स्मृति ने बताया कि उनके परिवार में मुंबई में एक एजेंसी खरीदने को लेकर चर्चा चल रही थी। इसी बातचीत के दौरान उनके काम और करियर को लेकर परिवार की तरफ से ऐसी टिप्पणी की गई, जिसने उन्हें अंदर तक हिला के रख दिया था।

फिल्म 'दायरा' में एक ही गाना

मेघना गुलज़ार की बहुप्रतीक्षित क्राइम थ्रिलर 'दायरा' अपनी कहानी और स्टारकास्ट के साथ-साथ अब संगीत को लेकर भी चर्चा में आ गई है। कुछ दिन पहले फिल्म की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेघना गुलज़ार ने बताया था कि फिल्म में सिर्फ एक गाना रखा गया है। अब इस गाने से जुड़ा सबसे बड़ा नाम सामने आया है : बी प्राक ने इसे अपनी आवाज़ दी है, जबकि गुलज़ार ने बोल लिखे हैं और अमित त्रिवेदी ने संगीत तैयार किया है। ऐसे में तीनों कलाकारों का यह सहयोग फिल्म के म्यूजिकल एलिमेंट को खास बना सकता है। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक, बी प्राक अपनी भावुक और दमदार आवाज के लिए जाने जाते हैं और 'रांझा' व 'मिट्टी' जैसे गानों के जरिए अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। दूसरी तरफ, गुलज़ार की शायरी और अमित त्रिवेदी का संगीत किसी परिचय का मोहताज नहीं है। ऐसे में इन तीनों की आवाज़, शब्द और संगीत का मेल 'दायरा' के लिए एक अनोखा म्यूजिकल एक्सपीरियंस तैयार कर सकता है। फिल्म की टीम ने अभी गाने से जुड़ी बाकी जानकारियों को सामने नहीं रखा है। लेकिन क्राइम थ्रिलर जैसी गंभीर कहानी में सिर्फ एक गाना होना अपने आप में खास दिलचस्पी पैदा करता है।

परमीश वर्मा का ट्रोलर्स पर फूटा गुस्सा

पंजाबी सिंगर-एक्टर परमीश वर्मा ने पत्नी गीत ग्रेवाल से अलग होने की घोषणा के कुछ दिनों बाद जिंदगी में नेगेटिविटी से दूर रहने के बारे में एक मैसेज शेयर किया है। इंस्टाग्राम पर, गाल नी कडनी गानेवाले सिंगर ने अपने पिता के जन्मदिन के सेलिब्रेशन की झलकियां शेयर कीं और उनके प्रति अपना सम्मान जताया। परमीश ने नेगेटिविटी को दूर रखने की अहमियत पर भी जोर दिया। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जिंदगी में नेगेटिविटी के लिए ज़ीरो जगह है, मैं किसी का फ़ैन नहीं हूं, मेरे बापू ही मेरे हीरो हैं। तस्वीरों में एक्टर अपने पिता, मां और भाई सुखान वर्मा के साथ पोज़ देते हुए दिख रहे हैं। यह पोस्ट पंजाबी सिंगर-एक्टर द्वारा सोशल मीडिया पर एक बयान में गीत ग्रेवाल से तलाक की पुष्टि करने के एक दिन बाद आया है। परमीश ने यह भी माना कि इस समय उनकी जिंदगी में एक महिला है, जिससे एक्ट्रेस और मॉडल हरमन बरार के साथ उनके कथित रिश्ते को लेकर हफ्तों तक चली ट्रोलिंग और अटकलों पर विराम लग गया है। उन पर अपनी पूर्व पत्नी गीत ग्रेवाल के साथ बेवफाई के आरोप भी लगाए गए थे।

बॉक्स ऑफिस पर मिर्जापुर द मूवी बनी तूफान
तो 150 करोड़ के करीब पहुंची हनुमान अंश

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्मों के बीच बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। एक ओर 'मिर्जापुरः द मूवी और 'हनुमान अंश दर्शकों की पसंद बनी हुई हैं और लगातार अच्छी कमाई कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर अभिनेता यश की फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स की कमाई उम्मीद के मुताबिक रफ्तार नहीं पकड़ पाई है। दोनों फिल्मों की मजबूत कमाई के बीच 'टॉक्सिक का कारोबार लगातार धीमा होता जा रहा है। 'मिर्जापुरः द मूवी रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने पहले दिन 25.50 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 32 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 36 करोड़ रुपये और चौथे दिन 15.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले मंगलवार को 15.35 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही भारत में फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 125.10 करोड़ रुपये पहुंच गई है। फिल्म में 'मिर्जापुर की लोकप्रिय स्टारकास्ट की वापसी हुई है। अली फजल, पंकज त्रिपाठी और दिव्येंदु अपने प्रमुख किरदारों में नजर आए हैं। इनके अलावा रसिका दुग्गल और श्वेता त्रिपाठी समेत कई पुराने कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। वहीं रवि किशन और जितेंद्र कुमार की भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। वहीं 'हनुमान अंश लंबे समय से बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित यह फिल्म कथित तौर पर महज 2 करोड़ रुपये के बजट में बनाई गई है, लेकिन इसकी कमाई ने सभी को चौंका दिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के 33वें दिन यानी पांचवें मंगलवार को 11 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही भारत में फिल्म की 33 दिनों की कुल शुद्ध कमाई 143.13 करोड़ रुपये पहुंच गई है। फिल्म में शोभिनव सत्या ने नीम करोली बाबा की भूमिका निभाई है, जबकि युवा नीम करोली बाबा के किरदार में विहान शेडगे नजर आए हैं। इनके अलावा चंदन के. आनंद, पूर्णिमा तिवारी, अनिल रस्तोगी और गुलशन पांडे ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। दूसरी ओर, यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर काफी चर्चा और उत्साह था, लेकिन सिनेमाघरों में दर्शकों की प्रतिक्रिया उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे सोमवार को फिल्म की कमाई घटकर 75 लाख रुपये रह गई थी। इसके बाद दूसरे मंगलवार को भी कारोबार में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिला। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के 14वें दिन 69 लाख रुपये की कमाई की। इसके साथ ही भारत में फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 247.19 करोड़ रुपये पहुंच गई है। 'टॉक्सिक में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आई हैं।

'सत्यम शिवम सुंदरम' देखने बुर्का पहनकर पहुंचे थे चंकी, सुनाया मजेदार किस्सा

डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' सीजन 5 के सेट पर अभिनेता चंकी पांडे ने अपनी टीनएज से जुड़ा एक मजेदार किस्सा साझा किया। अभिनेत्री जीनत अमान शो में विशेष अतिथि के तौर पर पहुंचीं। इस दौरान चंकी पांडे ने बताया कि उनकी चर्चित फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' देखने के लिए इतने उत्साहित थे कि सिनेमा हॉल में प्रवेश करने के लिए बुर्का तक पहन लिया था। इस चंकी की उम्र केवल 15 साल थी। जीनत अमान के सामने अपनी किशोरावस्था की यादें साझा करते हुए चंकी पांडे ने बताया कि उस समय 'सत्यम शिवम सुंदरम' को वयस्कों के लिए प्रमाणित फिल्म माना जाता था। वह इस फिल्म को देखने के लिए कई बार थिएटर पहुंचे, लेकिन कम उम्र होने की वजह से उन्हें हर बार बाहर निकाल दिया जाता था। इसके बाद उन्होंने फिल्म देखने का रास्ता निकालने के लिए बुर्का पहनकर थिएटर में प्रवेश करने की कोशिश की और इस बार वह फिल्म देखने में सफल रहे। चंकी ने जीनत अमान से कहा कि अभिनेत्री का उन पर किशोरावस्था में काफी प्रभाव पड़ा था। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''जीनत, आपको पता है कि मैं पहली बार लड़की भी आपकी वजह से बना, भगवान कसम। आपकी फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' लगी थी। तब मैं 15 वर्ष का था। मैंने सिनेमा थिएटर में जाने के लिए तीन-चार बार कोशिश की, लेकिन हर बार मुझे बाहर निकाल देते थे। फिर अंत में मैं बुर्का पहनकर चला गया।'' इसी दौरान शो के कोरियोग्राफर और जज टेरेंस लुईस ने भी जीनत अमान के फैशन और उनके चर्चित लुक को याद किया। उन्होंने अभिनेत्री के पीले सनग्लासेस का जिक्र करते हुए कहा कि उनका अंदाज बेहद सरल होने के बावजूद काफी प्रभावशाली था। टेरेंस ने कहा कि बड़े सनग्लासेस और जीनत का सहज स्टाइल आज भी फैशन पर असर डालता है। जीनत अमान ने भी बताया कि उनका वह चर्चित लुक उन्होंने खुद तैयार किया था। अभिनेत्री ने फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' की काठमांडू में हुई शूटिंग से जुड़ी यादें भी साझा कीं। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान वहां जबरदस्त माहौल रहता था और खासकर गानों की शूटिंग देखने के लिए स्थानीय लोगों की बड़ी भीड़ जुट जाती थी। वर्ष 1978 में रिलीज हुई 'सत्यम शिवम सुंदरम : लव सबलाइम' का निर्देशन राज कपूर ने किया था।

BRIFF NEWS

Absorbing unqualified pvt school teachers will ruin students: Supreme Court

New Delhi, Agency: Supreme Court Tuesday disapproved Assam's Congress-era law that allowed a large number of teachers engaged in private schools and charitable educational institutions to be appointed/absorbed in govt employment and barred the present govt from appointing or absorbing any person as a teacher in a school or college if he/she did not have requisite qualifications. Senior advocate Ranjit Kumar, appearing for petitioner Rajesh Chauhan, told a bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana that teachers engaged on an ad hoc basis in private schools were getting absorbed as teachers in govt service in utter disregard of prescribed educational qualifications.

Sri Lanka a close friend, India stands by it: Rajnath Singh

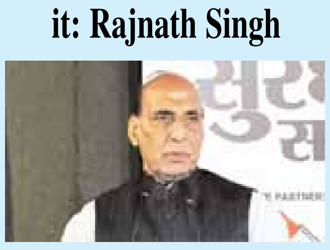

New Delhi, Agency: Defence minister Rajnath Singh said in Colombo Tuesday that India and Sri Lanka are close friends and India will always stand firmly with Sri Lanka whenever the island nation faces a crisis.

Singh, who is on a three-day visit to Sri Lanka, has become the first Indian defence minister to visit the island nation for defence-level talks after nearly 40 years. KC Pant was the defence minister to visit the island for such talks in 1988. "The relationship between India and Sri Lanka is based on shared history, culture, and faith. We stand with Sri Lanka through thick and thin and are committed to the peace, prosperity, and development of both countries," said Singh as he began his visit with an interaction with the Indian diaspora.

Delhi HC raps Centre for outing survivor's name in its POSH handbook

New Delhi, Agency: Delhi HC rapped Centre for naming a workplace sexual harassment survivor in a handbook it published on preventing such harassment and dealing with complaints.

"How is the name of the victim disclosed in this? How can you do that? You are the govt of India. You yourself are publishing (handbooks) revealing the name of the victim and you are circulating it. It is on your official website," Justice Swarana Kanta Sharma said, listing the matter for the next hearing on Wednesday.

Prevention of Sexual Harassment (POSH) handbook was published by Ministry of Women and Child Development. Law prohibits revealing the identity of the survivor of a sexual offence, and doing so is a punishable offence.

"Question the Corruption?"

Audit flags financial irregularities at MGCUB, questions over expenditure and procurement

Sagar Suraj

₹86.42 lakh repair expenditure under audit lens; ₹24.11 lakh convocation spending and seminar payments raise questions over financial controls at Mahatma Gandhi Central University

MOTIHARI: Serious questions have emerged over financial and procurement practices at Mahatma Gandhi Central University (MGCUB), Motihari, after an audit report flagged irregular expenditure, alleged excess payments and shortcomings in documentation and tender procedures.

The findings raise questions not only over the officials who processed individual payments but also over the university administration and the effectiveness of financial controls under Vice-Chancellor Sanjay Kumar.

The audit has flagged around 86.42 lakh in expenditure on repair and maintenance works, besides an alleged excess payment of 3.35 lakh. It has questioned whether similar works were split into smaller contracts to keep them below the threshold requiring open competitive tendering.

In another tender, two of three participating agencies were reportedly declared technically disqualified, leaving a single technically qualified bidder. The audit observed that awarding the work in such circumstances undermined competitive bidding. It has also specifically pointed to an alleged 3.31 lakh excess payment arising from a mismatch between quantity-rate calculations and the amount actually paid.

More significantly, the audit reportedly found work orders, agreements, completion certificates and, in some cases, Measurement Book entries and satisfaction certificates missing from records.

Questions have also been raised over the university's second convocation, where 19.22 lakh was reportedly paid through direct work orders without following the prescribed tender process, while another 4.89 lakh was spent on refreshments without a Work Order and without procurement through GeM, bringing the questioned expenditure to 24.11 lakh.

The audit further questioned 58.45 lakh spent on 10 seminars, workshops and conferences during March 2024, saying an integrated plan was not prepared. Refreshment payments of 9.73 lakh were also flagged for discrepancies in rates, quantities and supporting documentation.

Particularly striking is the Educational Studies conference, where the audit records only about 46 participants and guests, while 1.365 lakh was reportedly paid for refreshments for 260 persons.

The findings put the university administration under scrutiny.

Will Vice-Chancellor Sanjay Kumar order a comprehensive review, fix responsibility wherever lapses are established, recover any excess payment and make the relevant expenditure files available for public scrutiny?

Adani Airports to Raise $1 Billion from Global Investor Consortium

Ahmedabad : Adani Airport Holdings Limited (AAHL), a subsidiary of Adani Enterprises Limited (AEL) and one of India's largest private airport operators, has entered into binding agreements to raise ?9,825 crore, or approximately $1 billion, through a primary equity investment from a consortium of prominent domestic and global investors.

The consortium comprises Alpha Wave Global, Premji Invest, Temasek and funds managed by BlackRock. The proposed transaction values AAHL at a pre-money equity valuation of around $18 billion and is among the largest primary equity investments by financial institutions in India's airport infrastructure sector.

Under the Share Subscription Agreement and Shareholders' Agreement, the investors will subscribe to new AAHL equity shares in three tranches. The final tranche is expected to be completed by July 2027. Once all three tranches are completed, the investors will collectively hold approximately 5.54

BJP demands Punjab CM Bhagwant Mann's resignation over farmer's suicide

New Delhi, Agency: BJP alleged Tuesday that AAP was like a "thug gang" and demanded the resignation of CM Bhagwant Mann after a man died by suicide, allegedly following pressure from AAP functionaries to apologise for questioning minister Harpal Singh Cheema over the drug menace in his village.

BJP played a video of Gulzar Singh, a man belonging to a Scheduled Caste who consumed pesticide, narrating the incident and the pressure brought to bear on him after he raised the drug issue during an event attended by Cheema. Singh said his son was addicted to drugs. "After the minister left, an AAP neta, who is the sarpanch of the village, visited Gulzar Singh's home and asked him to apologise to the minister for his remarks," BJP spokesperson Gaurav Bhatia said.

Inter-district dacoity gang busted in East Champaran, four held

Police crack five-case dacoity network rooted in Sitamarhi; gang leader with 10-case criminal history held, 15.5 lakh and arms recovered

Sagar Suraj

MOTIHARI: In a major breakthrough against an inter-district dacoity network, East Champaran police have busted the dreaded Mansoori dacoit gang, arrested four accused and recovered 15.50 lakh in cash, a pistol, four live cartridges, 2.107 kg of charas and other articles. The gang, police said, had its roots in Sitamarhi's Bathnaha and included criminals with links to Nepal.

The operation is being seen as the result of a painstaking investigation conducted for several months by a Special Investigation Team led by Sikrahna DSP Abhishek Kumar under the supervision of Motihari SP Swarn Prabhat.

The probe did not stop at identifying the immediate perpetrators but went deep into the network to trace and apprehend each alleged member involved in the five dacoity cases.

The alleged gang leader, Mohammad Safiq Mansoori alias Bunty, a resident of Bathnaha in Sitamarhi, has a formidable criminal record. Police records list 10 cases against him, including dacoity, robbery, theft and cases under the Arms and NDPS Acts. His alleged involvement spans Sitamarhi as well as recent dacoity cases in East Champaran.

The first incident in the present series occurred on April 13, while the latest dacoity was reported at Madhia Mohan village under Dhaka police station on August 30.

To avoid police surveillance, the gang allegedly maintained strict operational discipline, members neither used mobile phones nor travelled in vehicles. They came by train, took e-rickshaws up to nearby areas and then walked through fields and rural stretches to reach their targets.

Police said interrogation revealed that the gang had committed five dacoities. Part of the looted money was allegedly used to purchase an R15 motorcycle, while an agreement had also been made for land worth around 30 lakh.

The operation involved police teams from Sikrahna, Dhaka, Kundwa Chainpur, Chiraiya and Ghodasahan, along with the DIU. The team will receive a 30,000 reward for its exemplary work.

Notably, the crackdown highlights SP Swarn Prabhat's strategy of striking at the roots of organised crime a frontline offenders.

No rooms, Rs 2.3 lakh a night: BRICS Summit sends Delhi hotel rates soaring

New Delhi, Agency: As India prepares to host the 18th BRICS Leaders' Summit, luxury hotels in the national capital are facing a sharp squeeze in room availability, with tariffs at some marquee properties climbing beyond Rs 2 lakh a night ahead of the September 12-13 gathering. The summit, which brings leaders of the expanded BRICS grouping to Delhi and marks two decades since the bloc's founding, is driving concentrated demand for high-end accommodation, with several premium hotels showing limited or no availability and others quoting rates of more than Rs 2 lakh per night, according to news agency media.

Booking checks showed no room availability at Taj Mahal and The Oberoi in New Delhi for September 11-12, while Taj Palace had no rooms available for September 10-12. The Leela Palace, New Delhi, was also not accepting bookings for stays between September 10 and 12.

At ITC Maurya, New Delhi, rooms available for September 10-13 were commanding tariffs starting at more than Rs 2.3 lakh a night. The surge comes as del-

egates and other visitors are expected to arrive in the capital ahead of the two-day summit and extend their stays, putting pressure on room inventory, particularly in central Delhi. K B Kachru, president, Hotel Association of India (HAI) and Chairman - South Asia, Radisson Hotel Group, said the summit was highlighting the pressure on India's hospitality infrastructure. "India is commanding global attention at a defining moment -- as the nation prepares to host marquee international events and cements its position as a premier MICE destination, the world is watching how we scale to meet our tourism targets. "The BRICS Summit alone will put considerable focus on room inventory and that spotlight is exposing a hard truth: our hospitality infrastructure has not kept pace with our tourism ambition," he said, according to media.

Ladakh's tourist footfall continues rising; August sees most foreign visitors

Srinagar, Agency: Ladakh has recorded a sharp rise in tourist arrivals this year, with 4,05,085 visiting the Union Territory in the first eight months of 2026, exceeding the 3,35,872 tourists recorded for all of 2025. "In just eight months of 2026, the total tourist footfall has exceeded by 20.6% from the total tourist arrivals recorded in 2025," a govt spokesperson said.

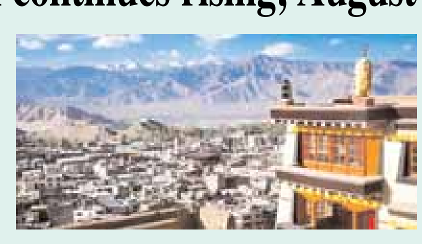

Aug 2026 saw the highest foreign tourist footfall recorded in any month so far this year, with 10,075 foreigners travelling to Ladakh. "This is also considerably higher than the 8,148 foreign tourists recorded in Aug 2025," the spokesperson said.

India, China hold first high-level military flag talks in Arunachal amid LAC tensions

New Delhi, Agency: India and China have held their first Senior Highest Military Commander-Level Flag Meeting in the Arunachal Pradesh sector, with talks taking place on both sides of the frontier earlier this week.

The meeting followed understandings reached during the Special Representatives dialogue between National Security Advisor (NSA) Ajit Doval and Chinese foreign minister Wang Yi. The talks are part of efforts by the two countries to maintain peace along the Line of Actual Control (LAC) and gradually improve bilateral ties.

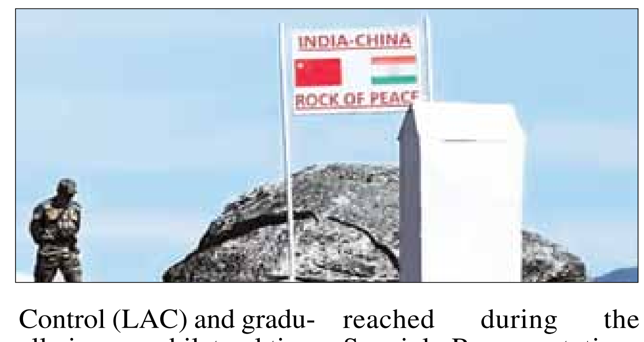

MEA spokesperson Randhir Jaiswal said the meeting was held at Wacha on the Indian side on September 6 and at Damai on the Chinese side on September 7.

Jaiswal said the meeting followed agreements reached during the Special Representatives talks in August 2025 and August 2026, along with subsequent discussions under the Working Mechanism for Consultation and Coordination.

"Pursuant to the understandings reached between the Special Representatives of India and China in August 2025 and August 2026, and subsequent discussions at the Working Mechanism for Consultation and Coordination meetings held in Beijing and New Delhi in May and August 2026 respectively, the first Senior Highest Military Commander-Level Flag Meeting was held at Wacha on the Indian side in Arunachal Pradesh on September 6 and Damai on the Chinese side on September 7," Jaiswal said at his weekly media briefing.